दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
खबरें सड़क से संसद तक

RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

वर्ष: 17 | अंक 03 | सीकर, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

कलम दवात पूजन व स्नेह मिलन समारोह 5 को

निसं

सीकर (नवयत्न)। कायस्थ हितकारिणी समिति की ओर से होली के अवसर पर भगवान चित्रगुप्त व कलम दवात पूजन 5 मार्च को की जाएगी। इस दौरान कायस्थ समाज की सामूहिक होली स्नेह मिलन समारोह में फूलों की होली खेली जाएगी। समिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण माथुर की अध्यक्षता में कार्यक्रम शाम 5 बजे कायस्थ कॉलोनी स्थित चित्रगुप्त भवन में आयोजित किए जाएंगे। कायस्थ हितकारिणी समिति के महासचिव अश्वनी माथुर ने बताया कि इस अवसर पर भगवान चित्रगुप्त व कलम दवात पूजन, समाज को दिए अमूल्य योगदान के लिए पूर्व अध्यक्षों की स्मृति में उनके परिजनों, समाज के भवन के लिए दानदाताओं, भामाशाहों को प्रतिक चिन्ह व सम्मान पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

आज निकलेगी श्याम निशान व कलश यात्रा

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। श्री श्याम सखा मंडल द्वारा 33 वां श्याम महोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया जायेगा। मंडल के सेंटलर रामावतार मंत्री में बताया कि कैलाश पूरी मंदिर से शुक्रवार को श्याम निशान व कलश यात्रा सुबह 10 बजे निकलेगी, जो शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई श्याम बाग नया बास क्लब में पहुंचेगी। दोपहर में श्याम सखी मंडल का प्रोग्राम होगा। रात्रि में विशाल भजन संध्या होगी, जिसमें छोटू सिंह रावणा बाड़मेर अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। सभी श्याम भक्त व्यस्था में जुटे हुऐ हैं।

निःशुल्क बीपी, शुगर एवं परामर्श शिविर कल

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर द्वारा हर माह के अंतिम दिन लगाए जाने वाला 56वां शिविर इस माह 28 फरवरी शनिवार को प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक डॉक्टर महेंद्र प्रताप तिवारी हॉस्पिटल स्टेशन रोड श्रीमाधोपुर में लगाया जाएगा। जिसमें आप निशुल्क मधुमेह जांच, बीपी जांच और वजन करवा सकते हैं तथा साथ ही डॉक्टर महेंद्र प्रसाद तिवारी नि:शुल्क परामर्श भी देंगे। श्रीमाधोपुर और आसपास के क्षेत्र के लोग इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

अवैध वाणिज्यिक परिसर निर्माण प्रकरण पर विभागीय निर्देश जारी

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा शहर के नगर पालिका को एक महत्वपूर्ण प्रकरण में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा राजकुमारी सराफ के शहर में स्थित अवैध वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य से संबंधित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। जारी निर्देशों के अनुसार, निर्माण कार्य अनुमोदित मानचित्र के अनुरूप मुख्य सड़क के भू-भाग में सुनिश्चित किया जाना है तथा मुख्य सड़क से समुचित पहुंच मार्ग उपलब्ध कराने के पश्चात ही व्यावसायिक परिसर का संचालन किया जा सकेगा। साथ ही वर्तमान में संबंधित भूखंड पर संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को नगर पालिका द्वारा तत्काल प्रभाव से रोके जाने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने नगर पालिका को नियमों के अनुरूप कार्रवाई करते हुए प्रकरण की वस्तुस्थिति रिपोर्ट शीघ्र प्रेषित करने के लिए भी कहा है।

श्याम बाबा का पचरंगी फूलों से हुआ श्रृंगार
सोने और चांदी की झालर का गोटा और बागा पहनाया

प्रदीप सैनी

खाटूश्यामजी (नवयत्न)। खाटूश्याम बाबा के फाल्गुनी मेले में रंग-बिरंगी छटा देखने को मिल रही है। पीले, नीले और लाल निशानों के साथ श्याम भक्त जयकारे लगाते हुए चल रहे हैं। श्याम भक्त सभी 14 लाइनों में लगकर दर्शन कर रहे हैं। 27 फरवरी को एकादशी पर बाबा श्याम के दर्शन का विशेष महत्त्व है। इसे लेकर बाबा श्याम के भक्तों का जमघट खाटू में नजर आ रहा है। 28 फरवरी को सूरजगढ़ का निशान अर्पित होने के साथ ही मेला औपचारिक रुप से संपन्न हो जाएगा। बाबा खाटूश्यामजी के फाल्गुनी लक्खी मेले में छठे दिन गुरुवार को श्याम बाबा का पचरंगी फुलों से श्रृंगार किया गया है। खाटू नगरी में श्याममयी भजनों से गूंज रही है। कोई भक्त निशान हाथों में लिए तो कोई पेट पलायन करते हुए श्याम बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहा है। रींगस से खाटू तक निशान लेकर बढ़ रहे पदयात्रियों के जत्थे नजर आ रहे हैं। भीड़ बढ़ने के बावजूद श्रद्धालु 40 फीट ग्राउंड से प्रवेश करते हुए मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को बहुत सरलता से बाबा श्याम के दर्शन हो रहे हैं। खाटू नगरी पहुंचने के बाद श्याम बाबा के दर्शन में 1 घंटे से भी कम समय लग रहा है। आज श्याम बाबा का विदेश से आए फूलों से श्रृंगार किया गया है। मंदिर परिसर को झालरों और आर्टिफिशियल झूमरों से सजाया गया है। विश्व प्रसिद्ध बाबा श्याम का फाल्गुन मेला 21 फरवरी से शुरू हो गया। मेले के छठे दिन आज विदेश से आए पचरंगी फूलमालाओं से बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार किया गया है। श्रृंगार में फूलों के साथ लाल बेल्वेट के कपड़े पर गोल्डन झालर का गोटा और चांदी की झालर का बागा पहनाया गया है। आज सुबह से मेले में बाबा श्याम के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की काफी भीड़ हो रही है। अब तक करीब 7 लाख भक्त बाबा श्याम के दर्शन कर चुके हैं।

27 फरवरी को एकादशी के दर्शन विशेष

बाबा खाटूश्याम के मेले में फाल्गुन एकादशी के दर्शन का विशेष महत्त्व है। श्रीश्याम मंदिर कमेटी के प्रताप सिंह चौहान ने बताया-खाटूश्याम बाबा के एकादशी दर्शन से सब मन्नतें पूरी होती हैं। हर महीने में चांदनी पखवाड़े में एकादशी पर बाबा श्याम के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में श्याम भक्त खाटू पहुंचते हैं इस बार फाल्गुन महीने की एकादशी पर 27 फरवरी को बाबा का विशेष श्रृंगार होगा। 28 फरवरी को सूरजगढ़ का निशान चढ़ने के साथ ही औपचारिक रुप से मेला संपन्न हो जाएगा। हालांकि श्याम भक्त लगातार आते-जाते रहेंगे।

3 शिफ्ट में 5800 सुरक्षाकर्मी संभाल रहे मोर्चा

खाटूश्यामजी मेले में सुरक्षा व्यवस्था भी काफी चाक चौबंद है। सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत खाटू में ही कैंपिंग कर रहे हैं। राजस्थान पुलिस, होमगार्ड, आरएसीए मंदिर कमेटी के गार्ड समेत 5800 सुरक्षाकर्मी व्यवस्था संभाल रहे हैं। इसके अलावा स्काउट गाइड और एनसीसी कैडेट्स भी लगे हुए हैं। सुरक्षाकर्मी 3 शिफ्ट में ड्यूटी कर रहे हैं।

चांदी के रथ पर नगर भ्रमण पर निकलेंगे बाबा खाटूश्यामजी

फाल्गुन शुक्ल एकादशी पर शुक्रवार को सुबह सवा 11 बजे बाबा खाटूश्यामजी चांदी के रथ में सवार होकर नगर भ्रमण को निकलेंगे। इस दौरान बाबा का नीला घोड़ा भी साथ रहेगा। 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने के चलते मंदिर पूरे दिन बंद रहेगा। इसके बाद 5 मार्च को तिलक होने के चलते भी मंदिर में दर्शन कई घंटे के लिए बंद रहेंगे। रथ यात्रा के दौरान रथ से चॉकलेट और फल वितरित किए जाते हैं। इन्हें लेने के लिए श्रद्धालुओं में काफी उत्साह रहता है। इतना ही नहीं, बाबा के रथ को खींचने के लिए भी भक्तों में होड़ लगी रहती है।

350 सालों से निकल रही है रथयात्रा

श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सुबह 11:15 बजे रथयात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होगी। यह श्याम चौक, खातियों का मोहल्ला, अस्पताल चौराहा, पंचायत धर्मशाला, कला भवन होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। चौहान ने बताया कि रथयात्रा पिछले करीब 350 सालों से निकल रही है। उन्होंने सभी भक्तों से रथयात्रा के दौरान धक्का-मुक्की न करने की अपील की है।

5 मार्च को होगी विशेष सेवा-पूजा

चंद्रग्रहण होने के चलते 3 मार्च को मंदिर में दर्शन पूरे दिन बंद रहेंगे। इसके बाद 5 मार्च को बाबा का तिलक और विशेष सेवा.पूजा होगी। इसलिए, मंदिर में दर्शन 4 मार्च की रात 10 बजे बंद होंगे और 5 मार्च को शाम 5 बजे फिर से शुरू होंगे। रथ यात्रा के दौरान बाबा के भक्त जमकर गुलाल उड़ाते हैं और चंग की धुन पर थिरकते हैं। रथयात्रा में लगभग 500 से 1000 सुरक्षाकर्मी और प्राइवेट गार्ड तैनात रहेंगे। श्याम बाबा का पचरंगी फूलों से श्रृंगार हुआ

बाबा खाटूश्यामजी के फाल्गुनी लक्खी मेले में छठे दिन आज श्याम बाबा का पचरंगी फूलों से श्रृंगार किया गया है। खाटू नगरी में श्याममयी भजनों से गूंज रही है। कोई भक्त निशान हाथों में लिए तो कोई पेट पलायन करते हुए श्याम बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहा है। रींगस से खाटू तक निशान लेकर बढ़ रहे पदयात्रियों के जत्थे नजर आ रहे हैं। भीड़ बढ़ने के बावजूद श्रद्धालु 40 फीट ग्राउंड से प्रवेश करते हुए मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को बहुत सरलता से बाबा श्याम के दर्शन हो रहे हैं। खाटू नगरी पहुंचने के बाद श्याम बाबा के दर्शन में 1 घंटे से भी कम समय लग रहा है।

आरसीएचओ ने किया निरीक्षण

निसं

सीकर (नवयत्न)। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने गुरूवार को जिले में मनाए गए मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर गर्भवती व बच्चों को दी गई सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों व आंगनबाडी केन्द्रों पर जाकर टीकाकरण व्यवस्थाओं को परखा। आरसीएचओ डॉ विशाल सिंह ने फतेहपुर शहर के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, जनता क्लिनिकों, आंगनबाडी केन्द्र और उप जिला अस्पताल में मातृ शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण और पोषण सत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर में एक्टिव केस फाइंडिंग, आउटब्रेक रेस्पॉन्स टीकाकरण गतिविधियों, हैड काउंट गतिविधियों की भी समीक्षा की और चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों को सजगता के साथ समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वैक्सीन की सत्र स्थल तक कोल्डचैन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उप जिला अस्पताल फतेहपुर से वैक्सीन वितरण की प्रक्रिया में सत्रों की संख्या के अनुसार ही प्रति सत्र वैक्सीन कैरियर में वैक्सीन को कण्डीशंस आइएस पैक्स के साथ वितरण करने के निर्देश कोल्ड चैन हैंडलर को दिए। साथ ही उन्होंने फतेहपुर शहर में समय पर एएनसी रजिस्ट्रेशन और पूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य अनुरूप उपलब्धि अर्जित करने और मीजल्स रुबैला उन्मूलन के लिए सभी बच्चों के एमआर टीके की दो डोज और विटामिन, की समय पर खुराकों को सुनिश्चित करने, बुखार और दाने के बच्चों की जांच और सैंपल लेने के प्रदान किये। इस दौरान जिला वैक्सीन मैनेजर रणजीत सिंह और अतिरिक्त नोडल अधिकारी राष्ट्रीय बाल और किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ पवन शर्मा मौजूद रहे।

कोबरी-सार

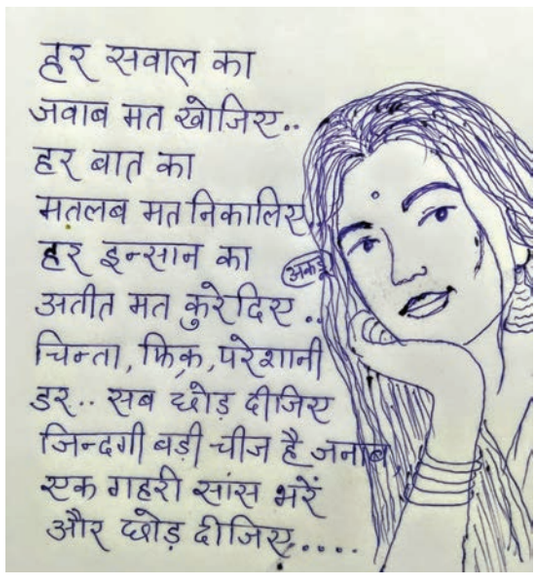

विधायक मेघवाल ने सीवरेज प्रोजेक्ट को गति देने की उठाई मांग

निसं

बीदासर (नवयत्न)। राजस्थान विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान गुरुवार को सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल ने बीदासर में लंबे समय से अटकी सीवरेज परियोजना पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। ?विधायक मेघवाल ने सदन को अवगत कराया कि बीदासर कस्बे के लिए पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय 25 करोड़ रुपये की सीवरेज परियोजना स्वीकृत की गई थी। उन्होंने दुख जताया कि स्वीकृति के बावजूद यह प्रोजेक्ट धरातल पर आगे नहीं बढ़ पाया है। उन्होंने मांग की कि इस राशि के जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य शुरू करवाया जाए ताकि कस्बेवासियों को राहत मिल सके।

श्याम मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

निसं

तारानगर (नवयत्न)। शेखावाटी की पावन धरा इन दिनों श्याम के रंग में रंगी हुई है। इसी कड़ी में तारानगर के बांय स्थित प्राचीन श्याम बावड़ी मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय श्याम फाल्गुन महोत्सव का भव्य आगाज हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन आयोजित विशाल शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ठाकुरजी के मंदिर से शुरू हुई इस शोभायात्रा का दृश्य अलौकिक था। हाथों में श्याम बाबा का निशान थामे हजारों भक्त फाल्गुनी बयारों के बीच झूमते-गाते नजर आए। चंग की थाप और श्याम भजनों की धुन पर नाचते श्रद्धालुओं के उत्साह ने पूरे क्षेत्र को बाबो म्हारो श्याम के जयकारों से गुंजायमान कर दिया। बांय की प्राचीन श्याम बावड़ी मंदिर की अपनी विशेष मान्यता है। शोभायात्रा मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई, जहां बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। इस महोत्सव के दौरान विभिन्न शहरों और गांवों से पैदल यात्री अपनी मनोकामनाएं लेकर धोक लगाने पहुंच रहे हैं।

विशाल भंडारा व कीर्तन

महोत्सव के अगले दो दिनों तक भजन संध्या और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बाबा का भव्य दरबार और अलौकिक श्रृंगार भक्तों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बांय का यह मंदिर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। मेले के मद्देनजर प्रशासन और मंदिर कमेटी द्वारा सुरक्षा व व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि दूर-दराज से आने वाले पैदल यात्रियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

दुल्हन सौदेबाजी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान पुलिस की सीआईडी अपराध शाखा विंग ने दुल्हन बेचने वाले अंतर्राज्यीय सिंडिकेट के खिलाफ अपना शिकंजा कसते हुए गिरोह के मुख्य सरगना भंवरलाल शर्मा की गिरफ्तारी के ठीक बाद सीआईडी टीम ने एक और कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी महावीर सुथार को जयपुर के मानसरोवर स्थित भारत माता सर्किल से दस्तयाब कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर बालोतरा पुलिस की ओर से दस हजार रुपये का इनाम घोषित है। यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस बिपिन कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई। पुलिस अधीक्षक सीआईडी सीबी ज्येष्ठा मैत्रयी के सुपरविजन में गठित टीम के प्रभारी एसआई शैलेन्द्र शर्मा व सदस्य कांस्टेबल बृजेश शर्मा को सूचना मिली थी कि इस गैंग का सक्रिय सदस्य महावीर निवासी उनियारा टोंक जयपुर के मानसरोवर इलाके में छिपा है। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारत माता सर्किल पर जाल बिछाया और आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को बालोतरा से आई थाना गिड़ा पुलिस टीम के सुपुर्द कर दिया गया है। महावीर सुथार उस संगठित गिरोह का अभिन्न हिस्सा है। जिसने सितंबर 2023 में बालोतरा के मगाराम को फर्जी शादी के जाल में फंसाकर 2 लाख 50 हजार की ठगी की थी। आरोपी महावीर मुख्य सरगना भंवरलाल शर्मा और रहमत खां के साथ मिलकर सौदेबाजी और पीड़ितों को ब्लैकमेल करने का काम करता था। यह आरोपी पिछले काफी समय से अपनी पहचान बदलकर पुलिस को छका रहा था। भंवरलाल और अब महावीर सुथार की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह के कोलकाता, असम, बिहार, यूपी और झारखंड तक फैले नेटवर्क की कड़ियां जुड़ सकेंगी। यह गिरोह अब तक कितने कुंवारे लड़कों को अपना शिकार बना चुका है और कितनी लड़कियों की खरीद-फरोख्त की गई है इस संबंध में अब बालोतरा पुलिस गहन पूछताछ करेगी। मगाराम केस में अब मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी हो चुकी है। इस पूरी कार्रवाई में सीआईडी क्राइम ब्रांच स्पेशल टीम के उप निरीक्षक शैलेंद्र शर्मा और कांस्टेबल बृजेश शर्मा की विशेष भूमिका और सहायक उप निरीक्षक शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे इनामी अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत यह बड़ी सफलता है।

टीम के तकनीकी विश्लेषण और फील्ड इंटेलिजेंस के कारण ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है।

विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

निसं

सालासर (नवयत्न)। गाँव न्यामा में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। सरपंच धनेश कुमार नायक ने बताया कि पंचायत के लिए नये भवन का निर्माण करवाया। 43 लाख रूपये से अधिक लागत से बनवाया गया। जिसका शुभारम्भ पूर्व विधायक अभिनेस महर्षि, पूर्व जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व प्रधान मनभरी देवी एवं पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में महर्षि ने सरकार की योजनाओं को बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नेतृत्व में प्रदेश लगातार नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हुआ है। इस दौरान त्रिलोक जाखड़, राजेश कँवर, रणवीर सिंह, जगदीश प्रसाद, देवकीनंदन शर्मा, अर्जुन राव, हिमतसिंह मालासी, पंच सुमित्रा देवी, ग्राम विकास अधिकारी ज्योति मीणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

श्याम फागोत्सव आज से

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के सनातन धर्म मंदिर में श्री श्याम भक्त मंडल के सौजंय से 27 वां दो दिवसीय श्री श्याम फागोत्सव महोत्सव शुक्रवार से मनाया जाएगा। श्याम भक्त गोपालसिंह व विमल शर्मा ने बताया कि शुक्रवार शाम चार बजे श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार कर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए शोभायात्रा निकाली जाएगी। देर रात्री को स्थानिय कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुती दी जाएगी। शनिवार दोपहर साढ़े बारह बजे श्री श्याम बाबा की ज्योत प्रज्वलित व पूजा अर्चना कर भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

व्याख्याताओं ने काली पटी बांधकर दर्ज करवाया विरोध

जयशंकर जागिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। हाल के दिनों में बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव कुपलासर के राजकीय विद्यालय में कार्यरत व्याख्याता (कार्यवाहक प्रधानाचार्य) किशनाराम कायल का एक युवक ने विद्यालय में घुसकर कर लाठी से हाथ पैर तोड़ने का मामला सामने आया है। उक्त घटना के विरोध में डाइट में व्याख्याताओं एवं वरिष्ठ व्याख्याताओं ने काली पट्टी बांध कर विरोध दर्ज करवाया। व्याख्याता प्रमेन्द्र कुल्हार ने बताया की बीकानेर जिले में कार्यरत व्याख्याता किशनाराम कायल के साथ घटित हुई मारपीट की इस प्रकार की घटना से पूरे जिले के शिक्षकों एवं व्याख्याताओं में भयंकर आक्रोश है। इस घटना के विरोध में जिले भर के व्याख्याताओं ने काली पट्टी बांध कर सांकेतिक विरोध दर्ज करवाया है साथ ही सरकार से आह्वान किया है कि इस घटना के लिए दोषी अपराधी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करते हुए तुरंत सजा दिलाये और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए टीचर प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए। व्याख्याता अजय प्रेमी ने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 फरवरी को दोपहर करीब 12 बजे कुंपालसर निवासी जगदीश प्रसाद पुत्र सोहनराम स्कूल में जाति प्रमाण पत्र के फॉर्म पर साइन करवाने आया था लेकिन फॉर्म अधूरा ही था। पूरी जानकारी भरने के लिए कहने पर आरोपी भड़क गया। इस पर गाली-गलौच करते हुए पहले चाय की भगोनी कार्यवाहक प्रिंसिपल के ऊपर फेंक दी, फिर प्रिंसिपल पर लाठी से हमला कर दिया। इससे कार्यवाहक प्रिंसिपल किशनाराम कायल के हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उक्त घटना के बाद पूरे राजस्थान के विद्यालयों में स्थिति तनावपूर्ण रही। इस घटना के कारण पूरे जिले सहित राजस्थान के शिक्षकों में भयंकर आक्रोश है। शिक्षक संगठनों ने विरोध जताते हुए आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्कूल परिसर में इस तरह की घटना चिंता का विषय है। काली पट्टी बांध कर विरोध दर्ज करवाने वालो में डाइट प्राचार्य सुमित्रा झाझड़िया, सीमा सूरा, दामोदर जांगिड़, प्रतिभा न्योला, राजबाला ढाका, श्रीराम, जयप्रकाश, मनोज, शशिकांत, गजेंद्र, प्रियंका, विधि, विनीता, अंजू सैनी, राकेश झाझड़िया, शिल्पा, संगीता उपस्थित रहे।

बसपा ने की हत्या के मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग

निसं

तारानगर (नवयत्न)। बहुजन समाज पार्टी ने राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर कालवास गांव के अनुसूचित जाति के गोपीराम मेघवाल हत्या के मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर आरोपितों को गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। ज्ञापन में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि तारानगर के गांव कालवास में 10 फरवरी को अनुसूचित जाति के गोपीराम पुत्र शेराराम मेघवाल की बदमाश प्रवृत्ति और असामाजिक तत्वों ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। उसके अगले दिन 11 फरवरी को मृतक गोपीराम के परिजनों ने पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया लेकिन 15 दिन बीत जाने के बावजूद आज तक पुलिस हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। आरोपित राजनीतिक संरक्षण के चलते खुलेआम घूम रहे हैं। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर मृतक गोपीराम की हत्या करने वाले आरोपितों को गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने, मृतक के आश्रितों को आर्थिक मुआवजा देने की मांग की ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। पार्टी ने मामले में अतिशीघ्र कार्रवाई नहीं करने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी है। बहुजन समाज पार्टी के जिला प्रभारी धनपत मेघवाल के नेतृत्व में दानाराम मेघवाल, प्रभु दयाल लूणा, धनाराम मेघवाल, किशोर सबलानिया, प्रदीप सबलानिया, रोहिताश मेघवाल, पवन मेघवाल आदि कार्यकर्ता ज्ञापन देते समय मौजूद रहे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर पुलिस ने एक युवती से दुष्कर्म करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। डीएसपी रोहित सांखला ने बताया कि 23 फरवरी 2026 पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दी कि तारानगर के वार्ड 3 निवासी हसन पुत्र लाल मोहम्मद खटीक 3 फरवरी 2026 की रात्रि को 11 बजे उसके नाना की तबियत बिगड़ने की झूठी बात कहकर उसे अस्पताल ले जाने का बोलकर अपने खेत में बनी ढाणी में ले गया व वंहा पर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। आरोपित हसन ने किसी को बताने पर युवती को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी सीआई सतपाल बिश्नोई के नेतृत्व में गठित टीम ने दुष्कर्म के आरोपित को गिरफ्तार कर उक्त घटना में प्रयुक्त वाहन पिकअप गाड़ी को भी जब्त कर लिया। मामले में सीआई सतपाल बिश्नोई अग्रिम अनुसंधान कर रहे है।

भविष्य का निर्माण शिक्षा से ही : टीबड़ेवाला

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। जेजेटी यूनिवर्सिटी का 14 वां दीक्षांत समारोह गुरुवार को चेयरपर्सन डॉ विनोद टीबड़ेवाला के सानिध्य में सादगीपूर्ण मनाया गया। इस समारोह में विश्वविद्यालय के बीएससी बीएड के छात्र कमल कुमार एवं योगा विभाग की छात्रा सुनीता कुमारी को सबसे अधिक अंक प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय की ओर से गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को उपाधि प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉ विनोद टीबड़ेवाला ने अपने उद्बोधन में सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य का निर्माण शिक्षा से होता है। उन्होंने कहा जीवन में आगे बढ़ने के लिए सत्य का रास्ता अपनाएं और झूठ की कमाई ना करें। उन्होंने देश की आन बान और शान पर कोई टीका टिप्पणी न करने की बात भी कही। डॉ टीबड़ेवाला ने इस अवसर पर युवाओं को बिना दहेज के शादी करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रेसिडेंट डॉ मधु गुप्ता ने कहा कि शिक्षा ज्ञान ही नहीं देती बल्कि जीवन को दिशा भी देती है। शिक्षा चरित्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने वर्ष भर में होने वाली शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में रजिस्टार डॉ अजीत कुमार एवं मुख्य वित्त अधिकारी डॉ अमन गुप्ता ने टीबड़ेवाला का स्वागत किया। मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार डॉ अजीत कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आरती पंवार ने किया। इस अवसर पर इंजीनियर बी के टीबड़ेवाला, प्रेमलता टीबडेवाला, डॉ अंजु सिंह, डॉ अनिल कड़वासरा, डॉ राकेश जाट, डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ राम प्रताप सैनी, डॉ विजय माला, डॉ रामनिवास सोनी, डॉ. इकराम कुरैशी, कपिल जानू सहित विश्वविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

सीएलजी बैठक में होली पर शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। होली पर्व को लेकर गुरुवार शाम थाना परिसर में सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाधिकारी राकेश कुमार ने की। बैठक में थानाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि होली हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे का पर्व है। इस दौरान सभी लोग आपसी सौहार्द बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने सीएलजी सदस्यों से अपील की कि क्षेत्र में यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि होली के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस और आमजन की संयुक्त जिम्मेदारी है। त्योहार के मौके पर हुड़दंग, जबरन रंग लगाने, शराब पीकर वाहन चलाने तथा कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समाजसेवी बबलू अवाना, नासिर हुसैन सहित अन्य सीएलजी सदस्यों ने भी होली को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने में सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने सेंट्रल मार्केट स्थित चौपाटी व संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात करने, रात्रि गश्त बढ़ाने तथा बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग रखी। थानाधिकारी ने आश्वस्त किया कि त्योहार को देखते हुए पुलिस द्वारा विशेष गश्त और निगरानी की व्यवस्था की जाएगी ताकि क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था कायम रहे। इस मौके पर सुशील डेविड, अशोक कुमार, घीसाराम मीणा, किशोरीलाल, पूर्ण सिंह, मखनलाल, रामसिंह, धर्मपाल, यादराम काजला आदि मौजूद थे।

दस वर्ष पुराने मामले में अभियुक्त को किया दोष मुक्त

निसं

तारानगर (नवयत्न)। अपर जिला व सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा ने एनडीपीएस के एक दस वर्ष पुराने प्रकरण में अभियुक्त को दोषमुक्त किया है। मामले में अभियुक्त की ओर से पैरवी कने वाले अधिवक्ता महेंद्र कुमार यादव ने बताया कि तारानगर पुलिस ने हरियाणा के सिरसा जिले के जगमालवासी निवासी चरणजीत सिंह के कब्जे से 150 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामदगी के मामले में आरोप पत्र पेश किया था।

जिसमें न्यायालय ने 10 वर्ष लम्बे विचारण के बाद अभियुक्त चरणजीत सिंह को दोषमुक्त घोषित कर दिया।

अभियुक्त चरणजीत सिंह की ओर से मामले में पैरवी एडवोकेट महेंद्र कुमार यादव ने की।

फिटनेस और जागरूकता के लिए मरुधरा हाफ मैराथन एक मार्च को

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शहर में स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मरुधरा हाफ मैराथन के तृतीय संस्करण का आयोजन एक मार्च को किया जाएगा।

एएनएस सोलर द्वारा शुभाशीष मरीना एवं रीको के सह-प्रायोजन से होने जा रही यह मैराथन बॉम्बे हॉस्पिटल जयपुर परिसर से प्रारंभ होकर सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित शुभआशीष मरीना तक जाएगी और पुन: बॉम्बे हॉस्पिटल पर आकर समाप्त होगी। मरुधरा हॉफ मैराथन का पोस्टर लॉन्च स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी नीरज के पवन द्वारा किया गया। इस मैराथन में शहर के विभिन्न आयु वर्ग के धावक भाग लेकर फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति अपना उत्साह प्रदर्शित करेंगे। आयोजकों के अनुसार मैराथन का उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के उपरांत सभी प्रतिभागी राजस्थानी धरोहर की झलक प्रस्तुत करने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आनंद उठा सकेंगे। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया गया है। मरुधरा हाफ मैराथन न केवल फिटनेस को बढ़ावा देने का मंच बनेगा बल्कि जयपुर में सामुदायिक सहभागिता और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को भी मजबूत करेगा।

14 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल वितरित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नांगलभीम में गुरुवार को प्रधानाचार्य डॉ भवानी शंकर शर्मा, उप सरपंच जितेन्द्र सिंह, वार्ड पंच बनवारी लाल शर्मा, सेवानिवृत व्याख्याता जग्गुराम काजला की उपस्थिति में नि:शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा विभाग राजस्थान द्वारा प्रदत्त कक्षा 9 वीं में अध्ययनरत 14 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई। साइकिल प्राप्त करके सभी छात्राओं ने खुशी जाहिर की। जग्गुराम काजला एवं बनवारी लाल शर्मा ने सभी छात्राओं को पढ़ाई के प्रति जागरूक एवं परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त कर अपने जीवन के सपनों को साकार करने हेतु प्रेरित किया। प्रधानाचार्य ने सरकार की विभिन्न योजनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया तथा अनुशासन में रहकर पढ़ाई करने का मार्ग दिखाया। प्रभारी किशोर सैनी वरिष्ठ अध्यापक ने बताया कि कार्यक्रम में उप प्राचार्य सोनू सिलोलिया, व्याख्याता सुनीता, मुकेश कुमार फलवारी, वरिष्ठ अध्यापक सोहन लाल कुमावत, अंजू देवी मीना, जगमाल यादव एवं अन्य स्टाफ सदस्य और अभिभावक उपस्थित रहे।

सांभर झील में आज होगा बर्ड फेस्टिवल का आयोजन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सांभर झील में शुक्रवार को भव्य सांभर बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। देश-दुनिया में अपने विशिष्ट खारे स्वाद और अनूठी वेटलैंड पारिस्थितिकी के लिए प्रसिद्ध सांभर झील एक बार पुन: पक्षी प्रेमियों, विद्यार्थियों, पर्यटकों एवं स्थानीय समुदाय के स्वागत के लिए तैयार है। वन विभाग द्वारा सांभर झील के कोच्चा की ढाणी स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर परिसर में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य झील की समृद्ध जैव विविधता, वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र तथा यहां प्रतिवर्ष आगमन करने वाले प्रवासी पक्षियों के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। महोत्सव में तकनीक और परंपरा का विशेष संगम देखने को मिलेगा। नई पीढ़ी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग द्वारा विभिन्न थीम आधारित स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें दूरबीन, कैमरा, स्पॉटिंग स्कोप एवं ड्रोन की सहायता से बर्ड वॉचिंग का अनुभव कराया जाएगा। सांभर क्षेत्र की दुर्लभ पक्षी प्रजातियों एवं उनके जीवन चक्र पर आधारित फोटो प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। झील में नमक उत्पादन की पारंपरिक प्रक्रिया का लाइव डेमो प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे आगंतुकों को स्थानीय आजीविका एवं विरासत की जानकारी मिल सके। इसके अतिरिक्त ईकृबर्ड ऐप के संबंध में जानकारी दी जाएगी, जिससे पक्षी अवलोकन संबंधी सूचनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ा जा सके। एवियन बोटुलिज्म जैसी पक्षी बीमारियों से बचाव एवं उपचार संबंधी जागरूकता के लिए विशेष स्टॉल भी स्थापित किया जाएगा।

नाबालिग बच्ची के साथ दुराचार व हत्या के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

निसं

तारानगर (नवयत्न)। आठवीं कक्षा की नाबालिग बच्ची के साथ दुराचार व निर्मम हत्या की घटना को लेकर तारानगर में सैन समाज के लोगों ने आक्रोश जताते हुए कस्बे में कैंडल मार्च निकाला। सैन समाज के लोगों ने नगर पालिका से लेकर अंबेडकर सर्किल तक कैंडल मार्च निकालकर आरोपितों को गिरफ्तार करने व फास्ट ट्रैक में मुकदमा चलाकर आरोपितों को फांसी की सजा देने की सरकार से मांग की। इस मौके पर संदीप सैन, हनुमान सैन, श्रवण सैन, पुखराज सैन, सुनील सैन, राजकुमार भाटी, संजय पंवार, इंद्र टोकसिया, मोहित भाटी, रतन चौहान, श्रवण चौहान, हरी गोस्वामी, जयनारायण सहारन, बनवारी गोस्वामी, प्रकाश सैन, महेंद्र टाक, लालचंद पड़ीहार, शेखर हरसवाल, सुशील भाटी, सोहिल पठान, लीलाधर भाटी आदि लोग मौजूद रहे।

आज से शुरू होगा पारंपरिक गींदड़ महोत्सव

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। शहर की सामाजिक संस्था घूमर सेवा समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला पारंपरिक गींदड़ महोत्सव शुक्रवार से प्रारंभ हो रहा है। जिसको लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यह महोत्सव 2 मार्च तक चलेगा, जिसमें क्षेत्र के स्थानीय कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को राजस्थानी संस्कृति की झलक दिखाएंगे। कार्यक्रम संयोजक लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बताया कि गींदड़ नृत्य अंचल की एक विशेष लोकनृत्य शैली है, जो विशेष रूप से होली के अवसर पर प्रस्तुत की जाती है। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक आभूषणों और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच कलाकार जब गोल घेरे में तालबद्ध होकर नृत्य करते हैं, तो पूरा वातावरण सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो उठता है। सह संयोजक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आयोजक समिति द्वारा दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महिलाओं और पुरुषों के बैठने की अलग-अलग समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले श्रेष्ठ कलाकारों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा, जिससे प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

श्रद्धालुओं ने फुलों की होली खेलकर लिया आनन्द

तारानगर (नवयत्न)। होली के उपलक्ष में तारानगर कस्बे के गढ़ चौक में स्थित नगर सेठ लक्ष्मीनाथ मंदिर में फूलों की होली खेली गई। मंदिर के पुजारी रामलाल भोजक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। देवमीनू आर्ट सिरसा के कलाकारों की ओर से फूलों की होली, नृत्य नाटिका एवं रासलीला आदि रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लोगों ने फूलों की होली खेलकर व कलाकारों के साथ नाच-झूमकर खूब आनन्द लिया। कार्यक्रम में सुनील भोजक, चांद रत्न सरावगी, ओम हलवाई, पवन जैन, शिवकुमार सरावगी, गजानन जांगिड़, वासुदेव शर्मा, संदीप चौहान, अक्षय हंसावत, देवकीनन्दन सैनी, हितेश मडदा, गोरव वर्मा, हरि गोस्वामी आदि अनेक लोग मौजूद थे।

फोर्टिस जयपुर में पहली बार रेयर आई कैंसर की सफल कीमोसर्जरी

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान में बाल कैंसर उपचार के क्षेत्र में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के विशेषज्ञों ने दो साल की मासूम बच्ची की आंखों की रोशनी बचाने के लिए प्रदेश की पहली ऑप्थैल्मिक आर्टरी कीमोसर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की। बच्ची रेटिनोब्लास्टोमा एक दुर्लभ और घातक आई कैंसर से पीड़ित थी। दिल्ली एम्स में शुरुआती इलाज के दौरान संक्रमण बढ़ने के कारण उसकी बाईं आंख निकालनी पड़ी थी। जब कैंसर ने दूसरी दाहिनी आंख को भी चपेट में लेना शुरू किया, तो पूरी तरह अंधेपन का खतरा पैदा हो गया। ऐसे नाजुक समय में परिजनों ने फोर्टिस जयपुर के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. मनीष राजपूत से संपर्क किया। डॉ. मनीष राजपूत वैस्कुलर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी और उनकी टीम ने इस जटिल प्रोसीजर को अंजाम दिया। यह एक न्यूनतम इनवेसिव तकनीक है। इसमें कीमोथेरेपी की दवा को सीधे आँख के ट्यूमर तक पहुंचाने वाली धमनी ऑप्थैल्मिक आर्टरी में डाला जाता है। डॉ. मनीष राजपूत ने बताया कि यह प्रक्रिया न केवल एक क्लिनिकल माइलस्टोन है, बल्कि उन परिवारों के लिए उम्मीद है जिनके बच्चे इस दुर्लभ कैंसर से जूझ रहे हैं। फोर्टिस के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. मनीष कुमार अग्रवाल ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि अब राजस्थान में ही ऐसी अत्याधुनिक इमेज-गाइडेड थेरेपी उपलब्ध होने से मरीजों को बाहर नहीं भटकना पड़ेगा।

निर्वाचक नामावलियों का हुआ अंतिम प्रकाशन

चूरू(नवयत्न)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन बुधवार, 25 फरवरी, 2026 को किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सोनी ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अहर्ता दिनांक 01 जनवरी, 2025 के संदर्भ में जिले की पंचायतीराज संस्थाओं की निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया गया। उन्होंने बताया कि जिले के राजगढ़, चांदगोठी मुख्यालय राजगढ़ सिद्धमुख, तारानगर पूर्व, तारानगर पश्चिम भालेरी मुख्यालय तारानगर, सरदारशहर, सरदारशहर पूर्व, भानीपुरा, चूरू, चूरू उत्तर मुख्यालय चूरू, रतनगढ़, सुजानगढ़ व बीदासर की निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एसडीएम द्वारा बुधवार, 25 फरवरी, 2026 को किया गया।

12 मार्च को लगेगा विशेष शिविर

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। दूर दराज क्षेत्र के पेंशनर्स को अपनी परिवेदनाओं शिकायतों के समाधान के लिए संभाग स्तर पर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय मे सम्पर्क करना पड़ता है। पेंशनर्स की मुख्य परिवेदना जन्म तिथि, नाम संशोधन, पेंशन संशोधन, बकाया एरियर आदि के भुगतान से सम्बंधित होती है। पेंशन विभाग द्वारा कोष कार्यालय स्तर पर पेंशनर्स की परिवेदनाओं के निवारण के लिए 12 मार्च को प्रात: 11 बजे से सायं 4 बजे तक उपकोष पेंशन झुंझुनू में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के लिए अतिरिक्त कोषाधिकारी पेंशन प्रेरणा कालेर को नॉडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

चंग धमाल कार्यक्रम आयोजित

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा की फिजाएं हुई फाल्गुनी रंग में इंद्रधनुषी धर्म और सांस्कृतिक जीवन शैली की मनभावन अदाओं से परिपूरित और विख्यात नोखा नगरी आजकल फाल्गुनी रंगों में इस कदर आकंठ डूबी हुई है कि हर एक के मुख आनन पर केवल एक ही रंग नजर आ रहा है और वह है होली का रंग । नोखा के फाग दीवानों की मस्ती और उनकी मन की भावनाएं सर चढ़कर बोल रही है । नोखा के संस्कृति चौक के नाम से विख्यात संतोषी चौक में विगत 24 फरवरी से होली का यह मनहर पावन और हृदय को उल्लसित करने वाला फाग उत्सव नोखा के रंगों में मिश्री सा मिठास घोल रहा है। जैसे.जैसे संध्या से रात का सफर गहराने लगता है, तारे टिमटिमाने लगते हैं, चांद की चांदनी रात की चादर ओढ़कर इन रसियाओं की फाग मस्ती देखने धरती पर उतर आती है । सभी रंग रसियाओं के मन में होली के आनंद को लेकर एक अलग ही खुमारी मन में मचलने लगती है और रंग-बिरंगे परिधानों से सुसज्जित, श्वेत श्याम बदन पर धोती कुर्ता पहने, सतरंगी चोले में भोले के होरी भजन गाते कलाकार जब तान छेड़ते हैं तो निशा का अंधियारा मस्ती के आलोक में प्रदीप्त होने लगता है, गले में दुपट्टा डाले सर पर टोपी लगे रंगबाज संतोषी चौक की ओर निकल पड़ते हैं अल्हड़ मस्ती और दीवानगी की दीप्ति में तरबतर हाथ में चंगएचलने का अनूठा ढंग, फागुनि, अपनी टोली के संग, गोर बदन पर छिटकते रंग, मन में लिए मस्ती की तरंग और कंठ से निकलती होली की स्वर लहरिया देवर भाभी की स्वस्थ नोक झोंक, प्रेम संवाद, रूठना मानाना, राधा कृष्ण का शाश्वत प्रेम, अनुराग राजस्थान के सांस्कृतिक वैभव को सतगुनित कर देते हैं और सारे शहर को आनंद उत्साह उमंग और आह्लाद के रंग में रंग देता है। इस बार की होली में एक सकारात्मक पहलू यह भी देखने को मिल रहा है कि शहर की मातृ शक्ति जो की 12 माह घर की दहलीज में अपने गृह कार्य बच्चों व घर को सजाने संवारने में बिताती है वह भी होली के उत्सव को अपने हृदय में आत्मसात करने के लिए फाग उत्सव में आती है और पूरे मन से समवेत स्वरों में होली के गीत गाती हुई अपने घर की थकान, छोड़कर अपने मकान, लेकर मन में मुस्कान और गृह कार्यों का बोझ हल्का करने आनंद लेती नजर आ रही है। रंगरसियाओं द्वारा जब गया जाता है हिरण्या री काई बात भंवर जीए कीर्तियां ढल आई, उडीके थाने घर री लुगाई एउस समय विरहनियों का विरह कलेजे तक आ जाता है, जिनके पति कारोबार की व्यस्तता के चलते होली पर अपनी घर धण से मिल नहीं पाते, और विरह के ये फागुनी गीत नायिका के हृदय को दग्ध कर देते है। उस समय होली में अपना हमजोली बहुत याद आता है। रात्रि के समय पुरा चौक बच्चों बड़ों युवको व बुजुर्गों और महिलाओं से भर जाता है। सबकी अपनी अपनी मस्तियां है सबकी अपनी अपनी हस्तियां हैं एहसास और उन्माद शिखर को छूने लगते हैं। फाग उत्सव में शहर के प्रतिष्ठित व्यक्ति उद्यमी समाजसेवी अपनी कार्य व्यवस्थाओं को छोड़ते हुए फागुन की रंग में रंग जाना चाहते हैं। आजकल हम देख रहे हैं कि आधुनिकता के प्रभाव ने त्यौहार के रंगों को फीका कर दिया है। परंतु नोखा के उत्साहित युवा और यहां के संस्कृति धर्मी लोग अपनी परंपराओं और रीति रिवाज को जीवंत रखते हुए ऐसे आयोजनो में अपनी पूरी शक्ति एसामर्थ्य वैभव, परम्परा प्रेम और उत्साह से लबरेज होकर ऐसे आयोजनों को एक नई ऊर्जा और क्रियाशीलता की बानगी देते नजर आते हैं। ग्रुप के कैलाश बजाज व अंजनी लाहोटी ने बताया कि धमाल गायन में घनश्याम बिश्ननोई, अंकित तोषनीवाल, कमल राठी, संजय लाहोटी, प्रदीप तापड़िया, जीवण, श्याम बजाज, मोहित सोनी, हर्षित लाहोटी ने प्रस्तुतिया दी जिस पर रसियो ने झूमकर व नाचकर आनन्द लिया। कार्यक्रम में रामस्वरूप धारणिया, पवन झंवर, जगदीश मांझू, देवकिशन जोशी, चाँदरतन बजाज, संतोष चाण्डक, कैलाश सोनी, राजू लाहोटी, अंजनी लाहोटी, जयचंद सोनी, ओमप्रकाश झंवर, महावीर राठी, सुरेश राठी, जयकरण चारण, मोहित जोशी, महेश लाहोटी, मोहनलाल सुथार, राजकुमार करनानी, सचिन सोनी, कन्हैयालाल छिम्पा, रमेश मूंदड़ा, रघुवीर बजाज, मालचंद राठी, राजेन्द्र पारीक व मातृशक्ति उपस्थित रही।

राष्ट्र शक्ति छात्र शक्ति का संगम स्काउटिंग : जैन

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय डेजर्ट ट्रैकिंग के तीसरे दिन शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेने स्काउट गाइड संगठन के राज्य सचिव डॉ.पी.सी. जैन जैसलमेर धरा पर पधारे और शिविर की व्यवस्थाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उपस्थित संभागी रोवर्स रेंजर्स को संबोधित करते हुए कहा कि जैसलमेर की धरा ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक एवं जैव विविधता से परिपूर्ण है, साथ ही यहां का सामरिक महत्व देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। डॉ. पी. सी. जैन ने इस अवसर पर रोवर्स रेंजर्स से आह्वान किया कि उन्हें अपने जीवन में सादगी, सच्चाई, देशभक्ति, त्याग, बलिदान की भावना को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्र के लिए सुनागरिक बनना है ।

इस अवसर पर राज्य संगठन आयुक्त राजस्थान जयपुर पूरन सिंह शेखावत ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस शिविर में राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जिलों से 174 रोवर्स रेंजर्स, यूनिट लीडर एवं पदाधिकारी जैसलमेर की जैव विविधता, प्रकृति अध्ययन, सामरिक महत्व, ऐतिहासिक एवं पौराणिक जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ यहां के लोगों का रहन सहन, विरासत, खान-पान, संस्कृति एवं डेजर्ट में अपने आप को एडजस्ट करने की विभिन्न विधा सीख रहे है। इस डेजर्ट ट्रैकिंग में झुंझुनू जिले से मोरारका गवर्नमेंट कॉलेज झुंझुनू के रोहित मील, इंद्रमणी कॉलेज पिलानी के राकेश कटेवा व पंकज सैनी तथा रोवर लीडर विक्की कुमार एवं एस एन एम टी गर्ल्स कॉलेज झुंझुनू की रेंजर निप्पी राठौड़, खुशबू शेखावत, झुंझुनू स्काउट सी ओ महेश कालावत के नेतृत्व में सहभागिता कर रहे हैं।

दर्शनीय स्थलों का किया अवलोकन

सी.ओ. स्काउट झुंझुनू महेश कालावत ने बताया कि डेजर्ट ट्रैकिंग के तृतीय दिवस रोवर्स रेंजर्स के ट्रैकिंग शिविर को राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रोवर्स रेंजर्स ने घंटियाली माता, विश्व प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर एवं इंडो पाक बॉर्डर तथा सामरिक महत्व से परिपूर्ण लोंगेवाला का भ्रमण कर यहां महत्वता के बारे में जाना इंडो पाक बॉर्डर पर रोवर्स रेंजर्स ने भारत माता के गगन भेदी नारे से आकाश को गुंजायमान कर दिया और राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की शपथ ली ।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

सी. ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि रात्रि शिविर ज्वाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में झुंझुनू जिले के रोवर्स रेंजर्स ने एक से बढ़कर एक राजस्थानी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति, देश भक्ति से ओत प्रोत नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त पूरन सिंह शेखावत, सहायक राज्य संगठन आयुक्त जोधपुर छतर सिंह पीडीयार, सी. ओ. गाइड अलवर कल्पना शर्मा, सी. ओ. स्काउट झुंझुनू महेश कालावत, सी. ओ. स्काउट डूंगरपुर भाविक सुथार, सी. ओ. गाइड जैसलमेर कृतिका पाराशर, जैसलमेर के वरिष्ठ स्काउट पदाधिकारी मुकेश हर्ष सहित, स्काउट मास्टर राजेश कुमार भूरेश, भूपेंद्र, डॉ. नारायण सिंह राव, डॉ. करनजीत कौर, हेमलता, पूजा चौधरी, प्रियंका चौधरी, विकी कुमार, विक्की सैनी, मोहसिन खान, राधा मीणा, अजय सैनी, अजय यादव, सूरज संतोष, मनराज गुर्जर, अतुल कुमार सहित रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय गींदड नृत्य का शुभारंभ आज

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर में पांच दिवसीय घींदड नृत्य का शुभारंभ आज से होगा शुभारंभ कस्बे के दोनों नृत्य स्थल को सजाया जा रहा है दुल्हन की तरह राजलदेसर कस्बे में करीबन 400 वर्षों से अधिक से चली आ रही लोक कला संस्कृति नृत्य का शुभारंभ आज देर शाम विद्वान पंडितों के सानिध्य में वाद्य यंत्रों की पूजा अर्चना की जाएगी । पूजा अर्चना के बाद पांच दिवसीय घींदड नृत्य का शुभारंभ होगा । कस्बे के गांधी चौक नृत्य कला मंडल, मैन बाजार नृत्य कला मंडल स्थल को शानदार डेकोरेशन से सजाया जा रहा है साथ ही बाहर से आने वाले प्रवासियों के बैठने की व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण होने को लेकर सभी घींदड कमेटी के पदाधिकारी दिन-रात व्यवस्था में लगे हुए हैं । इसके अलावा कस्बे के प्रसिद्ध कलाकार मनोज मारू एएडवोकेट राजेंद्र सैनी, गोपी मारू, विकास शर्मा, श्रवण पारीक विजय कुमार सैनी अमित दाधीच आदि कलाकारों के द्वारा होली के गीतों की शानदार प्रस्तुति वाद्य यंत्रों के साथ सुनाई देगी । इसी प्रकार कस्बे में मालासी बासए बाईपास, ढाणी बास एमैन बाजार आदि जगहों पर चंग की ताप पर होली के गीत घूंघट खोल दे चाल चंदाण्ण् राजा बलि के दरबार शंकर रम गयो आदि होली के गीतों पर फाग के रसिया देर रात तक चंगो की धमाल सुनाई दे रही हैं इसके अलावा निजी प्रतिष्ठान पर भी होली के गीतों की धुन सुनाई देने लगी है । वही गांधी चौक नृत्य कला मंडल के अध्यक्ष कमल डागा, कार्यकारी अध्यक्ष पवन मारू, निर्मल सैनी मैन बाजार नृत्य कला मंडल के मनोज महावर, पवन झेडू, दीनदयाल स्वामी, भवरलाल नाई, आदि ने बताया इस भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी है साथ ही विशेष कर घींदड खेलने वाले लोगों से अपील की गई है कि राजस्थानी वेशभूषा के अंदर नृत्य करें ।

विद्यार्थियों को पढ़ाया शहरी स्वच्छता का पाठ

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। सीवरेज परियोजना के कार्य कर रही राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नंबर 3 के विद्यार्थियों को स्वच्छता ओर सीवरेज परियोजना की जानकारी दी। कैप रुडीप के असलम खान ने बताया की आपके घर के स्नानघर, रसोईघर व शौचालय को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा । इसलिए सीवर लाइन बिछाने में सकारात्मक सहयोग देवे। एंव आपकी कॉलोनी मे अभी सीवरेज कनेक्शन किये जा रहे है तो आप भी कनेक्शन करवाये। उन्होंने सीवरेज के फायदों के साथ ही सीवरेज की कार्य प्रणाली को समझाया। साथ ही कहा कि किसी भी प्रकार के ठोस पदार्थ और प्लास्टिक बैग को सीवरेज मे ना डाले इससे सीवरेज अवरुद्ध हो जाता है रुकावट आती है । प्रधानाचार्य रमेश सिंह ने कहा कि यह परियोजना शहर की स्वच्छता व्यवस्था को नई दिशा देगी। इससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी व्यापक लाभ मिलेगा।

मार्च माह का जनसुनवाई कार्यक्रम घोषित

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। जिले में मार्च माह में आयोजित होने वाली त्रि स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके तहत 5 मार्च को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित की जाएगी। वहीं 12 मार्च को अटल जन सेवा शिविर ब्लाक स्तर पर आयोजित होगा, पिलानी एवं सिंघाना ब्लॉक के ये शिविर 13 मार्च कोआयोजित होगा। वहीं जिला स्तरीय जनसुनवाई 19 मार्च को कलेक्ट्रेट में जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग करेंगे।

मिस डेजर्ट राजस्थान जयपुर ऑडिशन में मॉडल्स ने बिखेरे जलवे

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी जयपुर मिस डेजर्ट राजस्थान का दूसरा जयपुर ऑडिशन भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस ऑडिशन में पूरे राजस्थान से आई करीब अस्सी मॉडल्स ने भाग लिया और अपनी कला, आत्मविश्वास व टैलेंट का शानदार प्रदर्शन किया। शो के आयोजक नरेंद्र कुमार गंगवाल एवं अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस ऑडिशन में जयपुर के साथ-साथ भरतपुर, अलवर, अजमेर, फुलेरा, सीकर, झुंझुनू सहित राजस्थान के कई शहरों की प्रतिभाशाली लड़कियों ने हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार आगे कोटा, उदयपुर और जोधपुर में भी ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद मार्च में सेमीफाइनल और अप्रैल में जयपुर में ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता की विजेता को एक लाख रुपये का कैश प्राइज दिया जाएगा। इसके अलावा प्रतिभागियों को एल्बम सॉन्ग में लीड रोल और आने वाली शॉर्ट फिल्मों में काम करने का मौका भी मिलेगा। इस शो के माध्यम से राजस्थान की खूबसूरती, कला, वेशभूषा और संस्कृति को भी दर्शाया जाएगा। जिसकी झलक मंच पर साफ नजर आई। ऑडिशन में जज जूरी मेंबर्स के रूप में दीपक अग्रवाल, रजनीश जैन, रजनीश सिंह, अमित कुमार खंडेलवाल एवं पवन गोयल ने निर्णायक की भूमिका निभाई और मॉडल्स को सही दिशा दिखाने में अहम योगदान दिया। वहीं शो मेंटोर कोनिका आर्य ने प्रतिभागियों को कैटवॉक और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के महत्वपूर्ण गुर सिखाए। वहीं कार्यक्रम के संयोजक दयाल सोनी, गिरीश कुमार, कशिश लाखन एवं पलक बंसल रहे। जिन्होंने पूरे आयोजन को आकर्षक और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान उत्साह और ग्लैमर का माहौल बना रहा।

कैम्पस प्लेसमेंट शिविर आयोजित

बाबूलाल शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत बेरोजगार आशार्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय झुंझुनू द्वारा रोजगार कार्यालय परिसर में गुरुवार को एक दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया गया। इस रोजगार शिविर में कुल 06 निजी क्षेत्र के संस्थानों ने भाग लिया। जिनमें मारुति सुजुकी मोटर्स झुंझुनू जी 4एस सिक्योर सॉल्यूशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एल आई सी ऑफ इंडिया झुंझुनू, इनोवेशन लिमिटेड जयपुर, जेबीएम मोटर्स गुरुग्राम, आर्यन टाइल्स चिड़ावा ने प्रमुख संस्थानों ने बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर उनका प्रारम्भिक चयन किया गया। कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में करीब 350 बेरोजगार आशार्थियों ने भाग लिया जिसमें से कुल 117 आशार्थियों का रोजगार के लिए प्रारम्भिक चयन किया गया। रोजगार कार्यालय के सहायक निदेशक दयानन्द यादव ने बेरोजगार आशार्थियों को शिविर मे पधारी हुई कम्पनियों के बारे में विस्तृत रूप से बताया और रोजगार कार्यालय द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा संबंल योजना बेरोजगारी भत्ता योजना की जानकारी के साथ ही कैरियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। इस शिविर में रोजगार कार्यालय के विकास कुमार सहायक प्रोग्रामर, विकास सैनी, विक्रम सिंह व सुशीला भी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, ठोस उपाय जरूरी

इस पर बहस होना तय है कि आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को यह पढ़ाना कितना सही है कि भ्रष्टाचार, लंबित मुकदमों की बड़ी संख्या और न्यायाधीशों की पर्याप्त कमी न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों में शामिल हैं। चूंकि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान की नई पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक वाले संशोधित अध्याय को लेकर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह एक सोची-समझी चाल प्रतीत होती है, इसलिए संभव है कि इस पुस्तक से उक्त अध्याय हटा दिया जाए।

जो भी हो, यदि ऐसा होता है तो इससे न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का प्रश्न ओझल होने वाला नहीं है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के अनेक मामले सामने आ चुके हैं और उन पर व्यापक चर्चा भी होती रहती है। हाल में सबसे अधिक चर्चा हुई दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे यशवंत वर्मा के भ्रष्टाचार की। उनके आवास से करोड़ों के अधजले नोट बरामद किए गए थे। चूंकि उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हो सकी है, इसलिए वे अपने पद पर बने हुए हैं।

भ्रष्टाचार के कारण अन्य अनेक न्यायाधीश भी कठघरे में खड़े हो चुके हैं। इनमें से कई न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन किसी के भी विरुद्ध वह अंजाम तक नहीं पहुंच सकी। इसका यह मतलब नहीं हो सकता कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है ही नहीं।एनसीईआरटी की पहले की पुस्तक में भी न्यायपालिका के बारे में उल्लेख था, लेकिन वह न्यायालयों की संरचना और भूमिका तक सीमित था। कहना कठिन है कि एनसीईआरटी ने क्या सोचकर न्यायपालिका वाले पाठ को संशोधित किया और उसमें लंबित मुकदमों का विवरण आदि देते हुए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई के इस कथन का भी उल्लेख किया कि न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार की घटनाओं का जनता के भरोसे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है? हो सकता है कि उसकी ओर से इस पर कोई स्पष्टीकरण दिया जाए, लेकिन प्रश्न तो यह भी उठेगा कि क्या इस पुस्तक में कार्यपालिका और विधायिका में भी व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में भी इसी तरह विस्तार से बताया गया है? भ्रष्टाचार व्यवस्था के किसी एक अंग तक सीमित नहीं है। वह व्यवस्था के हर अंग में व्याप्त है और चिंता की बात यह है कि उस पर लगाम लगती नहीं दिख रही है। कहना कठिन है कि स्कूली बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय किए जाने चाहिए।

विशेष आलेख

लोकतंत्र में भरोसा बढ़ाने वाला निर्णय

सुप्रीम कोर्ट का मतदाता सूची पर ऐतिहासिक आदेश

गत शुक्रवार को देश एक अभूतपूर्व अदालती निर्णय का साक्षी बना। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में मतदाता सूची से जुड़े विवादित दावों को निपटाने के लिए न्यायिक अधिकारियों की मदद लेने का ऐतिहासिक आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच जारी गतिरोध को देखते हुए यह फैसला सुनाया। बाद में उसने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ती है, तो ओडिशा और झारखंड के न्यायिक अधिकारियों को बंगाल में मतदाता सूची से संबंधित दावों और आपत्तियों को तय करने के लिए लगाया जा सकता है।

यह हस्तक्षेप केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया को गति देने का उपाय नहीं, बल्कि लोकतंत्र के उस मूल आत्मा की रक्षा का संवैधानिक संकल्प है, जिसका आधार प्रत्येक नागरिक का निर्बाध और सुरक्षित मताधिकार है। जब मतदाता सूची जैसे मूल दस्तावेज की शुचिता पर प्रश्न उठ खड़े हों और लाखों नागरिकों की लोकतांत्रिक पहचान पर संशय हो, तब न्यायपालिका का यह हस्तक्षेप लोकतंत्र की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने का एक निर्णायक प्रयास बन जाता है।

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति चुनाव में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित होती है, जिसके साथ नागरिक चुनाव प्रक्रिया में भाग लेते हैं। यह विश्वास मतदाता सूची से प्रारंभ होता है। मतदाता सूची केवल नामों का संकलन नहीं, बल्कि नागरिक की संवैधानिक पहचान का प्रमाण है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम इस सूची से अनुपस्थित हो जाता है, तो वह अपने मताधिकार से वंचित हो जाता है और यदि अपात्र व्यक्ति इसमें सम्मिलित हो जाता है तो वह चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करता है। इसीलिए मतदाता सूची की शुचिता, लोकतंत्र की वैधता का आधार है।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्मी चरण सेन बनाम एकेएम हसन (1985) के ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट किया था कि मतदाता सूची की शुद्धता चुनाव की वैधता की आधारशिला है और इसे सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। न्यायालय ने इस पर बल दिया कि मतदाता सूची में त्रुटियां केवल प्रशासनिक चूक नहीं होतीं, बल्कि वे लोकतंत्र की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती हैं। बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के दौरान लगभग 45 लाख विवादित मतदाता दावों का लंबित होना इसी संवेदनशील प्रश्न की गंभीरता को दर्शाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 प्रत्येक वयस्क नागरिक को मताधिकार प्रदान करता है, जो लोकतंत्र में उसकी संप्रभुता की अभिव्यक्ति है। वहीं अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की व्यापक शक्ति देता है, ताकि चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष बनी रहे। हालांकि इन संवैधानिक प्रविधानों की वास्तविक प्रभावशीलता तभी संभव है, जब मतदाता सूची पूर्णत: शुद्ध, अद्यतन और विश्वसनीय हो। यदि इस आधार में ही त्रुटि हो, तो लोकतंत्र की संपूर्ण संरचना प्रभावित होती है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप संविधान के अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 142 के अंतर्गत उसकी संवैधानिक शक्तियों का एक महत्वपूर्ण प्रयोग है।

अनुच्छेद 32 नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय को प्रत्यक्ष हस्तक्षेप का अधिकार देता है, जबकि अनुच्छेद 142 न्यायालय को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है। इन प्रविधानों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जब संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए असाधारण कदम उठाना आवश्यक हो, तब न्यायपालिका प्रभावी और निर्णायक भूमिका निभा सके।

न्यायिक अधिकारियों की सहायता सुनिश्चित करने का निर्णय इसी संवैधानिक दायित्व का प्रकटीकरण है। इस हस्तक्षेप का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को प्रशासनिक विवेक से ऊपर उठाकर न्यायिक विश्वसनीयता प्रदान की गई है। न्यायिक अधिकारी अपनी विधिक समझ के कारण इस प्रकार के संवेदनशील कार्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होते हैं।

यह घटनाक्रम भारतीय संविधान की संस्थागत परिपक्वता का भी सशक्त उदाहरण है। निर्वाचन आयोग, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने अपने-अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए समन्वित भूमिका निभाई है। यह उस संवैधानिक संतुलन का प्रमाण है, जिसमें संस्थाएं केवल अपने अधिकार क्षेत्र तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि राष्ट्रहित और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाती हैं। कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक अधिकारियों की छुट्टियां रद करना भी इसी संवैधानिक प्राथमिकता का प्रतीक है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि जब लोकतंत्र की मूल प्रक्रिया की शुचिता का प्रश्न हो, तब संस्थागत सुविधा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व सर्वोपरि होता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक व्यापक और दूरगामी संदेश यह भी देता है कि भारत में लोकतंत्र केवल एक औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक संरक्षित संवैधानिक मूल्य है, जिसकी रक्षा के लिए संविधान और उसकी संस्थाएं सदैव सजग हैं। यह हस्तक्षेप यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव प्रक्रिया का प्रत्येक चरण संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, संवैधानिक प्रतिबद्धता और संस्थागत सजगता का भी सशक्त प्रमाण है।

आज का राशिफल

मेष
घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। सरकारी, कानूनी विवाद सुलझेंगे। जोखिम, लोभ, लालच से बचें। नया काम, व्यवसाय आदि की बात बनेगी।

वृष
रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। नौकरी करने वालों को ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मिथुन
शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा। स्वयं का सोच अनुकूल रहेगा। रिश्तेदारों से संबंधों की मर्यादा बनाए रखें। अच्छी व सुखद स्थितियाँ निर्मित होंगी।

कर्क
चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी। व्यापारिक निर्णय समय पर लेना होंगे। विरोधी आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं।

सिंह
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएँगे। समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। साहस, पराक्रम बढ़ेगा। विश्वासप्रद माहौल रहेगा।

कन्या
पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है। पुरानी बीमारी उभर सकती है।

तुला
प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। विवाद सुलझेंगे।

वृश्चिक
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे। कर्मचारियों पर निगाह रखें। परिवार की समस्या का उचित समाधान होगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा।

धनु
विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी। व्यसनाधीनता से बचें। व्यापार, रोजगार मध्यम रहेगा।

मकर
पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियाँ निर्मित होंगी। विरोधी आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कुंभ
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी। पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी।

मीन
फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी। रुका धन मिलने से निवेश में वृद्धि होने के योग हैं। उदर संबंधी विकार हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

स्वास्थ्य समाचार

बर्फ वाला पानी पीने से सेहत को हो सकते हैं यह नुकसान

गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग ठंडी चीजों का सेवन करने लगते हैं। चिलचिलाती धूप से घर वापस आने के बाद लोग तरह-तरह की ड्रिंक्स पीते हैं। जिसमें ठंडा पानी, लस्सी, छाछ, जूस, नारियल पानी, आम पन्ना आदि शामिल हैं। गर्मियों में प्यास बुझाने के लिए लोग फ्रिज का ठंडा पानी पसंद करते हैं। ठंडा पानी पीने से शरीर को तुरंत ठंडक मिलती है और शरीर में ताजगी आती है। गर्मियों में शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी का सेवन करना चाहिए। लेकिन आपने अक्सर कुछ लोगों को बर्फ वाला पानी पीते देखा होगा। कुछ लोग फ्रिज से एकदम चिल्ड पानी निकालकर पीने लगते हैं या पानी में बर्फ डालकर पीते हैं। गर्मी में ठंडा पानी पीने में भला ही बहुत अच्छा लगता हो, लेकिन यह आपकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे आपको कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

पाचन को नुकसान पहुंचता है

बर्फ वाला पानी पीने से आपको पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, ठंडे पानी को पचने में बहुत अधिक समय लगता है। यह भोजन की पाचन क्रिया में बाधा उत्पन्न करता है। अगर खाना खाते समय आप ठंडे पानी का सेवन करते हैं, तो इससे शरीर खाना पचाने की जगह उस ऊर्जा का इस्तेमाल पानी के तापमान को सामान्य करने में लगा देता है। इसलिए कभी भी खाना खाते समय ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए।

गले से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं

बर्फ वाला पानी पीने से शरीर में ज्यादा मात्रा में बलगम बनने लगता है। इससे गले में खराश, कफ, सर्दी- जुकाम और गले में सूजन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जिन लोगों को सांस संबंधी परेशानी हो, उन्हें बर्फ का पानी पीने से परहेज करना चाहिए।

सिरदर्द

धूप से आकर बर्फ वाला पानी पीने से सिरदर्द की समस्या हो सकती है। दरअसल, ठंडा पानी पीने से स्पाइन की नर्व्स को ठंडक पहुंचती है, जिसका प्रभाव दिमाग पर पड़ता है। इसकी वजह से सिर में दर्द होने लगता है। जो लोग साइनस की समस्या से ग्रसित हैं, उन्हें भूलकर भी बर्फ वाले पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे उनकी स्थिति गंभीर हो सकती है।

बवासीर हो सकता है

अगर आप लंबे समय तक बर्फ वाला पानी पीते रहते हैं, इससे बवासीर यानी पाइल्स की समस्या हो सकती है। दरअसल, बहुत अधिक ठंड में चीजें जमने लगती हैं। ठीक इसी तरह, बर्फ वाला पानी पीने से मल सख्त हो जाता है, जिससे बवासीर की समस्या हो सकती है। बहुत अधिक ठंडा पानी पीने से आंत में घाव भी बन सकते हैं। इसकी वजह से आपको मल में खून और पेट में दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

घर में बनाएं यह एलोवेरा हेयर मास्क, बालों की कई समस्याओं से छुटकारा मिलेगा

हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की हेयर प्रॉब्लम से परेशान रहता है। किसी को हेयर फॉल होता है, तो किसी को डैंड्रफ की प्रॉब्लम होती है। वहीं, कुछ लोग बालों के रूखेपन की समस्या से ग्रस्त हैं, तो कुछ लोगों स्प्लिट एंट से परेशान हैं। जाहिर है, हर कोई इस तरह की समस्या से राहत पाना चाहता है। लेकिन, अक्सर लोगों इसलिए परेशान रहते हैं, क्योंकि बालों से जुड़ी हर तरह की समस्या के लिए अलग-अलग समाधान होते हैं। आज हम आपके लिए बालों सात तरह की अलग-अलग समस्याओं के लिए एक समाधान लाए हैं। यह है, एलोवेरा। यह एक बेहतरीन घरेलू उपाय के तौर पर जाना जाता है। एलो वेरा विटामिन, फोलिक एसिड, एंजाइम और मिनरल्स से भरपूर है।

एलोवेरा हेयर मास्क फ्रीजी बालों के लिए

एलोवेरा हेयर मास्क की मदद से आप अपने फ्रीजी बालों को भी सॉफ्ट और शाइनिंग बना सकते हैं। इसके लिए, आपको चाहिए तीन चम्मच एलोवेरा जेल और एक अंडा। इन दोनों को चम्मच की मदद से मिक्स कर लें। इसके बाद, हेयर ब्रश की मदद से इस मिश्रण को सिर पर अप्लाई करें। आधे घंटे के लिए मिश्रण को लगा रहने दें। अब, अच्छी तरह से शैंपू से हेयर वॉश करें ताकि अंडे की स्मेल बालों में न रहे। ये दोनों ही ऐसे प्रोडक्ट है, जो बालों को पोषण देते हैं, जिससे आपके ड्राई और फ्रीजी बालों से छुटकारा मिलता है।

एलोवेरा हेयर मास्क डैंड्रफ के लिए

एलोवेरा हेयर मास्क की मदद से आप अपने रूखे और बेजान बालों में भी जान भर सकते हैं। इसके लिए, आपको चाहिए दो-दो चम्मच एलोवेरा जेल और दही। विशेषज्ञों की मानें, तो दही में प्रोबायोटिक्स होता है, जो डैंड्रफ की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है। इसके साथ ही, इस मिश्रण से बाल शाइनी भी बनते हैं। अगर आपके बाल काफी ज्यादा रूखे हैं, तो

इस मिश्रण में एक चम्मच ऑलिव ऑयल और एक चम्मच शहद भी मिक्स कर सकते हैं। इससे बालों की डैंड्रफ पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

एलोवेरा हेयर मास्क हेयर ग्रोथ के लिए

एलोवेरा हेयर मास्क का इस्तेमाल बालों की ग्रोथ के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए, आपको चाहिए रात भर भीगे हुए मेथी दाने का पेस्ट और तीन चम्मच दही। दोनों को आपस में अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को बालों में लगाएं। आधे घंटे के लिए मिश्रण को बालों पर लगाकर रखें। इसके बाद, हेयर वॉश कर लें। इस मिश्रण को रेगुलर बेसिस पर अप्लाई करें। इससे हेयर ग्रोथ तेजी से होगी।

एलोवेरा हेयर मास्क बालों को मॉइस्चराइज करने लिए

बालों का रूखापन एक सामान्य समस्या है। ऐसा बालों में तेल न लगाने और अच्छे शैंपू का इस्तेमाल न करने की वजह से ऐसा होता है। आप बालों को ऐलोवरो की मदद से मॉइस्चराइज कर सकते हैं। इसके लिए, जरूरी है कि आप एक एलोवेरा के पत्ते से जेल निकाल लें और दो केले छील लें। इन दोनों को आपस में अच्छी तरह मिक्स कर लें। आप इन्हें मिक्स करने के लिए ब्लेंडर का यूज कर कसते हैं। अब इस मिश्रण को अपने साफ बालों पर अप्लाई करें। दो घंटे के लिए मिश्रण को बालों पर लगे रहने दें। इसके बाद हेयर वॉश कर लें।

घर पर आसानी से बनाएं मैंगो आइसक्रीम स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाट जाएंगे लोग

गर्मियों के मौसम में आइसक्रीम खाने का अलग ही मजा होता है। बता दें कि गर्मी में आम से बनी आइसक्रीम खाना काफी पसंद किया जाता है। क्योंकि गर्मी में बाजार में आम की बहार आने लगती है। लेकिन गर्मी का पारा जैसे-जैसे बढ़ता है तो शरीर में ठंडक घोलने वाली चीजें खाने की मांग बढ़ जाती है। आइसक्रीम भी गर्मियों में सबसे ज्यादा खाया जाता है। लेकिन अगर आप आम और आइसक्रीम का मजा एक साथ लेना चाहती हैं। तो आप घर पर मैंगो आइसक्रीम ट्राई कर सकती हैं। बता दें कि बच्चों से लेकर बड़ों तक को मैंगो आइसक्रीम का स्वाद बेहद पसंद आएगा। ऐसे में अगर आप घर पर मैंगो आइसक्रीम बनाना चाहती हैं तो इसे बनाने की विधि काफी आसान है। इसके लिए आप सबसे पहले अच्छे आमों का चयन कर लें। इसे आप घर पर आसानी से बनाकर तैयार कर सकती हैं।

ऐसे बनाएं मैंगो आइसक्रीम : गर्मी के मौसम में मैंगो आइसक्रीम न सिर्फ आपके मुंह का जायका बदलती हैं, बल्कि शरीर में भी ठंडक घोलने का काम करती है। मैंगो आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले अच्छी क्वालिटी वाले आम लें। अब इन्हें धोकर टुकड़ों में काट लें। फिर मिक्सर में आम के टुकड़ों और चीनी को सॉफ्ट होने तक पीस लें। मिश्रण को एक बाउल में निकालकर उसमें दूध, कंडेन्स्ड मिल्क और चीनी डालकर अच्छे से मिलाएं। जब सारी चीजें अच्छे से मिक्स हो जाएं तो एक एल्यूमिनियम के कंटेनर में इस मिश्रण को डाल दें। अब कंटेनर को पन्नी से कवर कर 6-7 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इस दौरान यह मिश्रण आधा सैट हो जाएगा। फिर इसे फ्रिज से निकालकर दोबारा मिश्रण को सॉफ्ट होने तक पीसें। जब सारा मिश्रण दोबारा पिस जाए तो इसे फिर से कंटेनर में डालकर पन्नी से कवर कर दें। इस बार इसे फ्रिज में 10-12 घंटे के लिए रख दें। इस तरह से आइसक्रीम अच्छे से सेट हो जाएगी। जब यह हार्ड हो जाए तो सर्विंग बाउल में स्कूप कर आइसक्रीम निकाल लें।

सडकों की मरम्मत के लिए विधायक ने की 10 करोड़ के पैकेज की मांग

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान विधायक मनोज मेघवाल लगातार क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और मांगों को उठाते हुए एक अलग ही छाप छोड़ रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ऊर्जा, उद्योग, खेल, युवा एवं किसानों के बाद विधायक ने नगर निकायों से जुड़ी समस्याओं और मांगों विधानसभा के पटल पर उठाते हुए सरकार का ध्यान आर्कषित किया। विधानसभा के बजट सत्र में क्षेत्र के विकास से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को छुने के साथ ही सरकार से समस्याओं का समाधान करवाने एवं मांगों की पूर्ति के लिए विधायक मनोज मेघवाल प्रयासरत हैं। विधानसभा में स्वायत शासन एवं नगरीय विकास के अनुदान की मांगों पर हुई चर्चा में शामिल होते हुए विधायक मनोज मेघवाल ने सडकों की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए शहरों में सडकों के लिए बजट में विशेष प्रावधान न होने पर निराशा जताई। उन्होंने सडकों की गुणवत्ता और उनकी मॉनिटरिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि सडके बनने के 2-3 साल बाद ही खराब हो जाती हैं। उन्होंने सुजानगढ़ नगर परिषद के लिए सडकों की मरम्मत हेतु 10 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग की। मेघवाल ने बताया कि सुजानगढ़ में सीवरेज का काम संतोषजनक नहीं है। लाइनें ओवरफ्लो हो रही हैं और एसटीपी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सुजानगढ़ के लिए सीवरेज के तीसरे चरण और बीदासर के लिए सीवरेज कार्य को जल्द शुरू करने की मांग की। पिछले मानसून में सुजानगढ़ में हुई अतिवृष्टि का जिक्र करते हुए विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि महीनों तक पानी बाहर नहीं निकल पाया। उन्होंने ड्रेनेज के दूसरे चरण के काम को जल्द पूरा करने और अमृत द्वितीय फेज के कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने नगर परिषद सुजानगढ़ और बीदासर के परिसीमन पर असंतोष व्यक्त करते हुए सुजानगढ़ शहर का हिस्सा बन चुके खानपुर, जमालपुरा, जसवंतगढ़ और गुलेरिया आदि गांवों को नगरपरिषद क्षेत्र में शामिल करने की मांग की। विधायक ने सुजानगढ़ में एक ऑडिटोरियम के निर्माण और सफाई कर्मियों की नई भर्ती की मांग की ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में सुधार हो सके।

51 सौ साफे बांधने का बनाया रिकॉर्ड

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सुजानगढ़ निण्संण। स्थानीय चरला बास के निवासी संदीप जोशी ने 5100 साफा बांधने का अनूठा रिकार्ड बनाया है। संदीप जोशी 5100 से ज्यादा साफे विवाह की सीजन मे गुड़गांव, दिल्ली, जयपुर, आस पास के शहरों मे बांध चुके हैं। होली के त्यौहार पर भी इनके पास साफा बंधवाने के लिए लाइन लग जाती है, इसके साथ ही संदीप एक अच्छे गायक भी हैं।

पर्यावरण अनुकूल होली मनाने का लिया संकल्प

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा चलाये जा रहे ईको फ्रेंडली फेस्टिवल कार्यक्रमों की शृंखला में अणुव्रत समिति, द्वारा स्थानीय संचियालाल बैद आदर्श विद्या मंदिर के सभागार में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। समिति के मंत्री नरेंद्र स्वामी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संदीप व्यास ने समस्त छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के अनुकूल पर्व और उत्सव मनाने का संकल्प दिलाया। अणुव्रत समिति के अध्यक्ष कुलदीप व्यास ने केमिकल युक्त रंगों से होने वाली समस्याओं से बचने तथा जल के अपव्यय को रोकने संबंधी मार्गदर्शन किया। जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष मोतीलाल तातेड़ ने गणाधिपति गुरुदेव तुलसी द्वारा 78 वर्ष पूर्व चलाए गये अणुव्रत आंदोलन की वर्तमान में सार्थकता समझाई ।

प्रधानाचार्य शरद शर्मा ने शाब्दिक स्वागत कर प्राकृतिक रंगों के उपयोग की जानकारी दी । दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने होली गीत की मनभावन प्रस्तुति देकर वातावरण को सरस बनाया । उप प्रधानाचार्य नंदकिशोर ताम्रायत ने सभी का आभार प्रकट किया । इस अवसर पर समिति अध्यक्ष व्यास ने बताया कि अणुव्रत आंदोलन के 78 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत 27 फरवरी को आर्या पब्लिक स्कूल में भाषण, कविता, गीत और वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित होंगी, 28 फरवरी को अणुव्रत रैली और 1 मार्च को स्थापना दिवस समारोह जैन परिषद् भवन में आयोजित होंगे ।

टैगोर टैलेंट ओलंपियाड के विजेताओं को किया पुरस्कृत

लाडनूं (नवयत्न)। टैगोर शिक्षण संस्थान निम्बी जोधा में टैगोर टैलेंट ओलंपियाड अंतिम चरण के विजेता विद्यार्थियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार पारीक, नायब तहसीलदार निंबी जोधा व अध्यक्ष भागचंद बरडिया, मुख्य ट्रस्टी जैन विश्व भारती के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया । कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि समाज सेवी नथूराम भादू तथा व्यवसाई प्रवीण कुमार उपस्थित रहे । अतिथियों द्वारा टैगोर टैलेंट प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर संयुक्त रूप से टॉपर रही छात्रा खुशी खोजा पुत्री गिरधारी राम खोजा तथा हर्षिता कंवर पुत्री अरविंद सिंह, खानपुर को मेडल पहनाकर, ट्रैक सूट तथा टेबेलेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कक्षा 3 से 10 तक प्रथम रहे विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर व ट्रैकसूट यूनिफॉर्म देकर सम्मानित किया गया । विद्यालय निदेशक गुलाब सिंह शेखावत व संस्था परिवार के सदस्यों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यवाहक संस्था प्रधान से मारपीट के विरोध में काली पट्टी बांधकर जताया रोष

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोंक छिलरी के कार्मिकों एवं अभिभावकों ने बीकानेर में कार्यरत कार्यवाहक संस्था प्रधान किशनाराम कयाल के साथ हुई मारपीट की घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। गुरूवार को कार्यालय समय में सभी शिक्षकों व कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया तथा घटना की घोर निंदा की। संस्था प्रधान संजू नेहरा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शिक्षक का स्थान भगवान के समान माना गया है। इस प्रकार की घटनाएं शिक्षक समुदाय की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध कठोर एवं ठोस कार्रवाई की मांग की। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। विरोध प्रदर्शन के दौरान वाइस प्रिंसिपल मोनिका पालीवाल, व्याख्याता संदीप कुमार, हरिश कुमार, अर्पणा सैनी, वरिष्ठ अध्यापक महावीरप्रसाद सैनी, ताराचंद डूडी, सतीश कुमार पालीवाल, रामलखन सैनी, अध्यापक जीवनराम, रमेशचंद, कनिष्ठ सहायक अभिषेक, पंचायत सहायक सुमन शर्मा, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी सत्यनारायण सैनी सहित अभिभावक परमेश्वरी देवी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर भी अपने-अपने तरीके से जताया गुस्सा

इधर शिक्षकों ने सोशल मीडिया पर भी घटना के विरोध में आक्रोश जताया। मोबाइल स्टेटस, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर स्टोरी साझा करते हुए लिखा गया कि जो हाथ बच्चों को भविष्य सिखाते हैं, उन्हीं हाथों पर जबरन अन्य विभागों के कार्य एवं दस्तावेज प्रमाणित करने का दबाव और हिंसा अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि शिक्षक सुरक्षित नहीं तो शिक्षा सुरक्षित नहीं। शिक्षकों ने यह भी स्पष्ट किया कि जाति, मूल एवं आय प्रमाण पत्र बनाना पटवारी और तहसीलदार का कार्य है, न कि सरकारी शिक्षकों का। कुछ स्थानों पर दो दिनों तक आय एवं जाति प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर नहीं करने संबंधी संदेश भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसके अलावा सरकारी स्कूल का प्रिंसिपल, लेक्चरर या शिक्षक आपके दस्तावेजों पर साइन करे, यह आपका अधिकार नहीं है, केवल सुविधा है। शिक्षक के स्वाभिमान से समझौता नहीं। जैसे मैसेज भी सामने आए है। शिक्षक समुदाय ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सौंदर्यकरण के नाम पर लोहिया स्टेडियम में की गई सरेआम हरे पेड़ों की हत्या

स्टेडियम में शुरू हुआ दीवार निर्माण का कार्य

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। पेड़ों को पालने-पोषने में 10-20 सालों का वक्त लग जाता है। लेकिन हरे पेड़ों को काटने में 10-20 मिनट का समय नहीं लगता। शहर के एन के लोहिया स्टेडियम में सौंदर्यीकरण के नाम पर करीब 30 साल पुराने हरे पेड़ों की निर्मम हत्या कर दी गई। दरअसल यहां पर मिट्टी भराई के बाद चारदीवारी निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। जिसके लिए जंगली जलेबी के पेड़ों और सफेदा यूकेलिप्टस के पेड़ों को काटा गया है। दिन दहाड़े जब जेसीबी की सहायता से पेड़ों को उखाड़ा गया, तो लोगों में मन में एक ही सवाल आया कि सरकारी विभाग इस प्रकार से पेड़ों को गिराने की परमिशन कैसे दे सकता है। दूसरी ओर इस बारे में सहायक अभियंता विक्रम जोरवाल से दोपहर में बात करने पर उन्होंने बताया कि जोधपुर के जिला कलक्टर के आदेश हैं, जिनके आधार पर नगरपरिषद अपने स्तर पर परमिशन दे सकती है। वहीं लोहिया स्टेडियम के सवाल पर उन्होंने परमिशन होने से मना कर दिया। दूसरी ओर चारदीवारी का निर्माण कार्य करवा रहे ठेकेदार कुलदीप सारण से बात करने पर उन्होंने बताया कि नगरपरिषद अपने स्तर पर परमिशन दे सकती है। लेकिन जब उनसे ये पूछा गया कि आपके पास परमिशन है क्या, तो वो कोई सटीक जवाब नहीं दे सके। वहीं सरेआम हरे पेड़ों की कटाई से पर्यावरण प्रेमियों में आक्रोश है और प्रशासन से इस प्रकार की परमिशन जारी नहीं करने की मांग की गई है, क्योंकि ये पेड़ कोई आम रास्ते पर नहीं थे।

इनका कहना है

नगरपरिषद कार्यवाहक आयुक्त चारवी ने बताया कि पांच से कम पेड़ों को गिराने की परमिशन दी गई है, बाकी पेड़ों की टहनियां काटी गई हैं। जितने पेड़ गिराये गये, उससे कहीं ज्यादा वापस लगाने की हिदायत ठेकेदार को दी गई गई है। पर्यावरण प्रेमी पीथाराम ज्याणी ने बताया कि जंगली जलेबी का पेड़ पर्यावरणीय महत्व के मद्देनजर मृदा अपरदन को कम करता है व नमी का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इस प्रकार के छायादार व औषधीय पेड़ काटे जाने पर वन संरक्षण अधिनियम के तहत दोषियों पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। पर्यावरण प्रेमी व साहित्यकार डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने कहा कि मुझे यह जानकार काफी दुःख हुआ कि हरे पेड़ों की कटाई गई है। करीब तीस साल पहले कड़ी मेहनत से तत्कालीन सफाई निरीक्षक राजाराम ने ये पेड़ लगाए थे, लेकिन व्यक्ति समान पेड़ को काटकर हजारों पक्षियों का बसेरा उजाड़ दिया गया। सौंदर्यीकरण के नाम पर पहले भी नगरपरिषद ने पेड़ काटे थे और अब ये घटना दुबारा हो गई। ऐसे में इस निंदनीय कृत्य पर सरकार को संज्ञान लेना चाहिए।

अनुपयोगी से उपयोगी सामग्री निर्माण प्रदर्शनी लगाई

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पंडितपुर में अणुव्रत समिति के तत्वावधान में वेस्ट से बेस्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त भारत कार्यक्रम के संदर्भ में विद्यालय में वेस्ट प्लास्टिक से उपयोगी सामग्री निर्माण कर प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा अध्यक्ष मोतीलाल तातेड, हनुमान सीताराम सेवा समिति अध्यक्ष सीताराम शर्मा, भामाशाह प्रेरक राकेश गहलोत ने किया। संस्थाप्रधान नरेंद्र सांकृत्य ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम प्रभारी अध्यापिका वंदना शर्मा ने बताया कि विभिन्न प्रकार के यूज्ड प्लास्टिक से विद्यालय में नो बैग डे पर उपयोगी सामग्री का निर्माण किया गया और बच्चों को प्लास्टिक सामग्री के कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनः चक्रण हेतु सतत् रूप से प्रेरित किया जा रहा है। अणुव्रत समिति अध्यक्ष कुलदीप व्यास ने विद्यालय के इस कार्य को प्रेरणादायक बताया और इसे सतत रूप से जारी रखने हेतु कहा। अध्यापक रामचंद्र माली ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सचिन दाधीच, अशोक कुमार गौड़, अर्चना पोद्दार, राधेश्याम प्रजापत, प्रवीण कुमार, सरोज, संजय बुनकर आदि उपस्थित थे।

दुकानों के बाहर रखने होंगे डस्टबिन

झुंझुनू (नवयत्न)। नगर पालिका मलसीसर के सभी व्यापारी, दुकानदार एवं प्रतिष्ठान संचालक पालिका क्षेत्र में स्वच्छता एवं साफसफाई बनाए रखने के लिए 03 तीन दिवस के अन्दर सभी दुकानदार प्रतिष्ठान संचालक अपने-अपने प्रतिष्ठान के बाहर ढक्कनयुक्त कचरा पात्र डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें। नगर पालिका की अधिशाषी अधिकारी नेहा झाझड़िया ने बताया कि निर्धारित अवधि के उपरांत निरीक्षण के दौरान यदि किसी दुकान प्रतिष्ठान के बाहर कचरा पात्र नहीं पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार जुर्माना दंडात्मक कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

होली स्नेह मिलन समारोह में चंग वादन पर झूमे प्रवासी

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ नागरिक परिषद दिल्ली एनसीआर द्वारा मोतीनगर स्थित रिट्ज वैकंट हाल में होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित प्रवासी श्रोताओं ने चंग और बांसुरी के साथ लोकगीतों व धमाल पर जमकर नृत्य किया। परिषद के अध्यक्ष जोधराज बैद, संरक्षक रितेश पुरोहित, महेंद्र कुमार धानुका, उपाध्यक्ष डालमचंद बैद, महेन्द्र लुण्डिया, मंत्री राकेश प्रजापति, कुणाल व्यास, प्रवीण बैद तथा कोषाध्यक्ष आकाश सराफ सहित अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हरिओम चंग पार्टी द्वारा प्रस्तुत भव्य चंग वादन ने पूरे माहौल को होली के रंग में रंग दिया। कुणाल व्यास के प्रोत्साहन से परिवारों की बहुओ, बहनों और बेटियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को अविस्मरणीय बनाया। समारोह स्थल की आकर्षक साज-सज्जा, चंदन तिलक व साफा-दुपट्टा पहनाकर अतिथियों का स्वागत तथा पारंपरिक व्यंजनों व विभिन्न खोमचों की व्यवस्था चित्ताकर्षक रही। मनभावन गीत संगीत के साथ ताल से ताल मिलाकर नृत्य करते प्रवासियों ने देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल

450 लाभार्थियों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनू द्वारा गुरुवार को पंचायत समिति चिड़ावा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रशासनिक विभागों के संयुक्त तत्वावधान में एक लोक कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायिक अधिकारियों और विभिन्न विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में आमजन को सरकारी योजनाओं से रूबरू कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनू के सचिव (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) डॉ महेन्द्र के सिंह सोलंकी उपस्थित रहे। उनके साथ तालुका विधिक सेवा समिति चिड़ावा के अध्यक्ष (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) नरेंद्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहनलाल बेदी तथा चिड़ावा बार संघ अध्यक्ष विजय गुरावा एवं अधिवक्ता लोकेश शर्मा भी मंचस्थ रहे। शिविर के दौरान श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल अधिकारिता, कृषि, पशुपालन, शिक्षा, उद्योग और चिकित्सा सहित कई विभागों के स्टॉल लगाए गए। अधिकारियों ने समाज के वंचित वर्गों और ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। शिविर की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न विभागों के माध्यम से लगभग 450 लाभार्थियों को राज्य सरकार की विविध योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान किया गया। इस अवसर पर पात्र हितग्राहियों को गार्गी पुरस्कार, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री पशु बीमा योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत स्वीकृतियां व अन्य लाभ वितरित किए गए। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से सीधे जोड़ना और उन्हें लाभान्वित करना रहा।

फूलों की होली से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय शाखा में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र सुलताना एवं कुसुम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र प्रभारी स्नेहा दीदी द्वारा शिव बाबा को भोग लगाकर किया गया, जिसके बाद मुरली क्लास का आयोजन हुआ। मुरली क्लास के पश्चात केंद्र प्रभारी स्नेहा ने होली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भाई-बहनों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विस्तार से बताया कि होली का वास्तविक अर्थ आध्यात्मिक ज्ञान, आत्म-शुद्धि और सकारात्मक चिंतन को जीवन में अपनाना है। उन्होंने कहा कि जब हम पुराने संस्कारों की आहुति देते हैं तभी जीवन में पवित्रता का रंग चढ़ता है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता दिखाते हुए पारंपरिक रासायनिक रंगों के स्थान पर फूलों से होली खेली गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों को प्रसाद वितरित किया गया। स्नेह मिलन समारोह में जितेंद्र सैनी, महेंद्र यादव, हवा सिंह, मोतीलाल, सूरजभान, लीलाधर मास्टर, बसंत लाल, हीरालाल सैनी, विनीत मोदी, संजय गोयल, रामविलास मोदी, पूजा गोयल, वंदना, किरण, रेनू, महिमा, कविता, सरोज सुल्तानिया, सरोज यादव, राजबाला जांगिड़ और उर्मिला सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ऑटो में सवारी बनकर पर्स व जेवरात चोरी करने वाली गुजराती गैंग चढ़ी हत्थे

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कोतवाली थाना पुलिस ने ऑटो और ई-रक्शा में सवारियों के पर्स व जेवरात चोरी करने वाली एक शातिर गुजराती गैंग का पर्दाफाश किया है । पुलिस ने गैंग की तीन महिलाओं सहित चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है । ये बदमाश सवारी बनकर ऑटो में बैठते थे और नजर बचाकर कीमती सामान पार कर देते थे। फिलहाल पुलिस आरोपित गैंग से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि परिवादी रामनिवास सोनी ने मामला दर्ज कराया था कि वह दूध मंडी से चांदपोल जाने के लिए ऑटो में बैठा था । उसके पास एक थैले में करीब 90 ग्राम सोने के जेवरात ;एक हार और दो टॉप्स थे । रास्ते में ऑटो में साड़ियां और सलवार सूट पहनी 4-5 महिलाएं बैठीं । जब वह हनुमान मंदिर के पास उतरा और थैला चेक किया तो अंदर रखी गहनों की थैली गायब थी।

जिस पर एडिशनल डीसीपी बजरंग सिंह शेखावत और एसीपी राजेंद्र कुमार मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश गौतम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी मदद और करीब 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस ने गैंग को लुनियावास इलाके से अंजना उर्फ पंखुड़ी 25 निवासी भावनगर गुजरात हाल लुनियावास, अल्पा बेन सोलंकी उर्फ अल्पी 27 निवासी भावनगर गुजरात, शारदा उर्फ पूजा 26 निवासी भावनगर गुजरात और कांग्या अर्जुन विनोद 29 निवासी भावनगर, गुजरात गैंग का मददगार को धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ये महिलाएं ऑटो में सवारी बनकर बैठती थीं । गिरोह के सदस्य सवारी को बातों में उलझाकर भ्रमित कर देते थे। इसी दौरान अपनी चुन्नी या कपड़े की ओट लेकर शातिर तरीके से बैग की चैन खोलते और जेवरात चोरी कर लेते थे। वारदात के तुरंत बाद ये ऑटो रुकवाकर उतर जाते थे।

पेकन नट्स ज्यादा खाने को हो सकते हैं ये नुकसान

पेकन नट्स के वैसे तो तमाम फायदे हैं। इसके सेवन से कई तरह की बीमारियों को दूर किया जा सकता है। इसमें पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इससे कई बीमारियां भी दूर हो सकती है लेकिन अगर आप इसका अधिक सेवन करते हैं, तो ये आपके स्वास्थ्य को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही पेकन नट्स में कुछ रसायन भी पाए जाते हैं, जिसके कारण अगर आप इसका अधिक सेवन करते हैं, तो इसके कई नुकसान हो सकते हैं। इससे आपको कई बीमारियां भी हो सकती है इसलिए पेकन नट्स के सेवन से पहले आपको इसके नुकसान और मात्रा के बारे में जान लेना चाहिए ताकि इसके सेवन से आपको परेशानी न हो।

लो ब्लड प्रेशर में खतरनाक : पेकन नट्स में पोटैशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसका सेवन लो ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए हानिकारक हो सकता है। साथ ही अगर आप इसका संतुलित मात्रा में सेवन नहीं करते हैं, तो हाई ब्लड प्रेशर में भी नुकसान हो सकता है। दरअसल शरीर में जब सोडियम की मात्रा कम हो जाती है, तो लो ब्लड प्रेशर की समस्या होती है। ऐसे में अगर आप पोटैशियम की अधिक मात्रा लेते हैं, तो इससे ब्लड प्रेशर और लो हो जाता है।

गुर्दे की परेशानी : पेकन नट्स के अधिक सेवन से गुर्दे की बीमारी हो सकती है। इसमें फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है, जिससे किडनी रोग, हृदय रोग और हड्डियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे गुर्दे की पुरानी बीमारी फिर से परेशान कर सकती है। इसके अलावा किडनी की बीमारी से ग्रसित लोगों को इसका कम मात्रा में सेवन करना चाहिए।

पेट और सीने में जलन : पेकन नट्स की तासीर गर्म होती है। अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से आपको कई नुकसान हो सकते हैं। इससे आपके पेट में जलन और सीने में जलन की समस्या हो सकती है। साथ ही यह आपके पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे आपको पेट संबंधी अन्य समस्याएं भी हो सकती है।

एलर्जी : पेकन नट्स में हिस्टामिन नामक रसायन पाया जाता है, जिससे शरीर में कई तरह की एलर्जी हो सकती है। इसके अधिक सेवन से आपको उल्टी, गले और जीभ में सूजन और जलन और चक्कर भी आ सकते हैं। कभी-कभी स्किन एलर्जी की समस्या भी हो सकती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक : पेकन नट्स में विटामिन ए की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके अधिक सेवन से गर्भवती महिलाओं को नुकसान हो सकता है। साथ ही शिशु को भी परेशानी हो सकती है। गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह के बाद ही पेकन नट्स का सेवन करना चाहिए।

वजन बढ़ सकता है : सभी तरह के नट्स में कैलोरी और फैट की मात्रा अधिक होती है। इसके अधिक सेवन से आपका कोलेस्ट्रोल लेवल भी बढ़ सकता है, जिससे कई और समस्या बढ़ सकती है।

पेकन नट्स की कितनी मात्रा का सेवन करें : पेकन नट्स की 30 ग्राम मात्रा का इस्तेमाल एक दिन में करना चाहिए। अगर आप और ड्राई फ्रूट्स के साथ इसका सेवन कर रहे हैं, तो इसकी 3-4 मात्रा लें। इसकी अधिक मात्रा के सेवन से हृदय की कार्यप्रणाली पर भी प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा यदि अगर आप किसी खास तरह की दवा का सेवन करते हैं, तो इसे लेने से पहले डॉक्टर से संपर्क जरूर करें।

बालों में करेला लगाने से दूर हो सकती हैं ये परेशानियां

करेला स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसलिए कई हेल्थ एक्सपर्ट भोजन में करेला शामिल करने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आप करेले के इस्तेमाल से बालों को होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं? शायद यह बात जानकर आपको काफी हैरानी हो रही होगी, लेकिन आपको बता दें कि यह स्वास्थ्य के साथ-साथ आपके बालों के लिए भी काफी हेल्दी होता है। करेले के इस्तेमाल से आप डैंड्रफ, बेजान बाल, झड़ते बालों की परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

बालों की बढ़ाए चमक : बढ़ते प्रदूषण और धूल मिट्टी की वजह से अगर आपके बालों की चमक खो गई है, तो आप अपने बालों में करेले का इस्तेमाल कर सकते हैं। बेजान और रूखे बालों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप सप्ताह में 1 बार करेले से बना हेयर पैक इस्तेमाल करें।

ड्राई स्कैल्प से राहत : ड्राई स्कैल्प की समस्या से छुटकारा दिलाने में करेला आपकी मदद कर सकता है। दरअसल, करेला सेबोरहाइक डर्मेटाइटिस के इलाज में बहुत ही प्रभावी है। सेबोरहाइक डर्मेटाइटिस के कारम आपको स्कैल्प से जुड़ी समस्या जैसे- ड्राई स्कैल्प, खुजली और सूजन हो सकता है। इन लक्षणों को कम करने में करेला आपके लिए प्रभावी है।

बालों की बढ़ाए ग्रोथ : बालों की ग्रोथ को बढ़ाने के लिए आप करेले का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल से आपके बाल तेजी से बढ़ सकते हैं। दरअसल, केरेले में फोलिक एसिड होता है, जो बालों की ग्रोथ को अच्छा करने के लिए प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा करेले का जूस ब्लड सर्कुलेशन में आपकी मदद करता है। ऐसे में बालों के समुचित विकास के लिए करेला लाभकारी हो सकता है।

अधिक मात्रा में मूली का सेवन करने से हो सकते हैं ये नुकसान

अधिकतर लोग मूली का सेवन सलाद के रूप में करते हैं। खासतौर पर सर्दियों के सीजन में इसकी खपत काफी ज्यादा होती है, क्योंकि यह आपको मार्केट में बहुत ही आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। स्वास्थ्य के लिए भी मूली काफी फायदेमंद होती है। इसमें विटामिन, खनिज, एंटीऑक्सिडेंट, फाइटोन्यूट्रिएंट्स इत्यादि पोषक तत्व भरपूर रूप से मौजूद होते हैं। यह स्वास्थ्य से लेकर स्किन की खूबसूरती को बढ़ाने में काफी फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा मात्रा में मूली के सेवन से आपकी सेहत को नुकसान हो सकता है? जी हां, मूली के सेवन से कुछ लोगों को नुकसान हो सकता है। साथ ही उनकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

हाइपरटेंशन का बन सकता है कारण : सीमित मात्रा में मूली का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मददगार होता है। दरअसल, मूली में पोटेशियम की उपस्थिति होती है, जो रक्त वाहिकाओं को आराम देता है। इससे आपके शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार आता है। लेकिन अगर आप मूली का अत्यधिक मात्रा में सेवन करते हैं, तो यह आपके रक्तचाप को असामान्य रूप से निम्न स्तर पर ला सकता है और इससे हाइपोटेंशन या निम्न रक्तचाप की समस्या हो सकती है।

आयरन की अधिकता : मूली का नियमित रूप से सेवन एनीमिया के जोखिम को कम किया जा सकता है। हालांकि, अगर आपके शरीर में आयरन की प्रचूर मात्रा है और आप फिर भी अधिक मात्रा में मूली का सेवन कर रहे हैं, तो यह आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि शरीर में आयरन की अधिकता से आपको कई तरह के नुकसान जैसे पेट में दर्द, दस्त, उल्टी, चक्कर आना, रक्त शर्करा के स्तर में कमी, लीवर को नुकसान, आंतरिक रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए ब्लड में आयरन की अधिकता होने पर मूली का सीमित मात्रा में करें।

हाइपोग्लाइसीमिया का कारण : जो व्यक्ति डायबिटीज की दवा ले रहे हैं, उन्हें भी मूली का अधिक मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल, मूली लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स और उसमें मौजूद शुगर की मात्रा कम करने में आपकी मदद करता है। मूली का ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है, जिसका अर्थ है कि यह रक्त में शर्करा को धीमी गति से छोड़ता है और इस प्रकार रक्त शर्करा के स्तर में अचानक वृद्धि को रोकता है। ऐसे में अगर आप डायबिटीज की दवाओं के साथ-साथ मूली का सेवन करते हैं, तो आपके शरीर में शुगर की मात्रा काफी कम हो सकती है। जो हाइपोग्लाइसीमिया का कारक बन सकता है। अगर आप डायबिटीज दवाओं के साथ-साथ मूली खाना चाहते हैं, तो डॉक्टर या फिर अपने डायटीशियन से सलाह जरूर लें।

किडनी के लिए नुकसानदेह : मूली मूत्रवर्धक प्रकृति की होती है, जिसका अर्थ है कि यह हमारे शरीर में पेशाब के उत्पादन को बढ़ाती है। ऐसे में बार-बार पेशाब आने की समस्या हो सकती है। मूली का मूत्रवर्धक होना हमारे शरीर के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन अगर आप बहुत अधिक मात्रा में मूली खाते हैं, तो इससे आपके शरीर में अतिरिक्त पानी की कमी हो सकती है, जिसकी वजह से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। शरीर से बहुत अधिक मात्रा में पानी निकलने से किडनी को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए हमें मूली का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

थायराइड रोगी : कच्ची मूली का सेवन थायराइड रोगियों के लिए लाभकारी नहीं माना जाता है। हालांकि, थायराइड की विभिन्न समस्याओं को दूर करने में मूली लाभकारी माना जाता है। लेकिन अगर आप कच्ची मूली का सेवन करते हैं, तो यह नुकसानदेय हो सकता है। दरअसल, कच्ची मूली में गोइट्रोजन नामक यौगिक होता है, जो थायराइड हार्मोन में हस्तक्षेप कर सकता है और थायराइड ग्रंथि की खराबी का कारण बन सकता है। जब मूली पक जाती है, तो इसमें गोइट्रोजन का प्रभाव कम हो जाता है। इसलिए अगर आप थायराइड की समस्या से पीड़ित हैं, तो मूली को कच्चे रूप में नहीं बल्कि पके हुए रूप में खाएं। खासतौर पर सलाद का सेवन बिल्कुल भी न करें। आप मूली को उबालकर या फिर पराठे के रूप में कर सकते हैं। यह आपके लिए लाभकारी हो सकता है। लेकिन कच्ची मूली का सेवन बिल्कुल भी न करें।

डिहाइड्रेशन की समस्या : मूली का सेवन करने से आपके शरीर में पानी की पूर्ति हो सकती है। हालांकि, अगर आप अधिक मात्रा में मूली का सेवन करते हैं, तो यह डिहाइड्रेशन का भी कारण बन सकता है। दरअसल, मूली में मूत्रवर्धक गुण होता है, जो आपको बार-बार पेशाब करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे में अगर आपके शरीर के काफी ज्यादा पानी निकल जाता है, तो आपको डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। इसलिए मूली का सेवन सीमित मात्रा में करें।

शरीर में फाइबर की अधिकता : मूली का नियमित रूप से सेवन हमारे पेट के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। यह आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार होता है।

काली चायपत्ती के इस्तेमाल से त्वचा को मिल सकते हैं ये फायदे

त्वचा के लिए ब्लैक टी के फायदे

हम स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह की चाय पीना पसंद करते हैं। इससे हमारे शरीर को कई लाभ मिलते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि ब्लैक टी पीने के अलावा आप इसका इस्तेमाल चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए भी कर सकते हैं। यह कई तरीके से त्वचा को फायदे पहुंचाती है। दरअसल ब्लैक टी में पॉलीफेनोल पाया जाता है, जिसकी मदद से त्वचा संबंधी कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा ब्लैक टी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी एक्ने से भरपूर तत्व पाए जाते हैं। इससे त्वचा के कील-मुहांसों और बेजान त्वचा को खूबसूरत बनाने में मदद मिलती है। इसलिए चाय पीने के बाद चायपत्ती या टी बैग को फेंकने की जगह आप उनका कई तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं।

दाग-धब्बों को करे दूर

अगर आपके चेहरे पर दाग-धब्बे हो जाएं, तो खूबसूरत चेहरा भी अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में अपने चेहरे से दाग-धब्बों को दूर करने के लिए आप ब्लैक टी का उपयोग कर सकते हैं। जैसा कि हमने आपको पहले बताया कि ब्लैक टी में कई स्किन लाइटनिंग तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा में मौजूद दाग-धब्बों को दूर कर आपको चमकदार त्वचा देता है।

टैनिंग से छुटकारा

टैनिंग से छुटकारा पाने में ब्लैक टी काफी फायदेमंद है। सूर्य की हानिकारक किरणों के कारण आपकी त्वचा का रंग काला पड़ जाता है और अन्य समस्याएं भी होने लगती है। टैनिंग की वजह से स्किन एजिंग और स्किन कैंसर तक की समस्याएं हो सकती है। ऐसे में ब्लैक टी का उपयोग आपकी त्वचा से टैनिंग हटाने में मददगार साबित हो सकता है।

स्किन इंफेक्शन

स्किन इंफेक्शन होने पर त्वचा में कई तरह की परेशानी होने लगी है। कभी पिंपल्स, खुरदरापन और दाग होने लगते हैं। ब्लैक टी में एंटीऑक्सीडेंट और कैटेचिन नामक तत्व पाया जाता है, जिसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इन गुणों की मदद से आपकी स्किन बेदाग और निखरी नजर आती है।

एंटी एजिंग गुणों से भरपूर

कई बार आपकी त्वचा समय से पहले ही अपनी खूबसूरती खो देती है और आप अपनी उम्र से अधिक उम्र के लगने लगते हैं। इस समस्या के लिए ब्लैक टी फायदेमंद मानी जाती है। ब्लैक टी में एंटी एजिंग और एंटी रिंकल्स गुण पाए जाते हैं, जो बढ़ती उम्र के प्रभाव कोकम करती है। साथ ही इससे आंखों और गाल के पास नजर आने वाली झुर्रियां भी गायब हो सकती है।

चेहरे की सूजन में आराम

कई बार सोकर उठने पर या आम समय में भी हमारे चेहरे पर सूजन आ जाती है। जिसकी वजह से आपका चेहरा अपनी असल दमक और लुक खो देता है। ऐसे में ब्लैक टी के एंटी इंफ्लेमेटी गुण चेहरे और आंखों के पास की सूजन कम करने में मदद करती है। इससे चेहरे पर कई तरह से लगाया जा सकता है।

ब्लैक टी के उपयोग

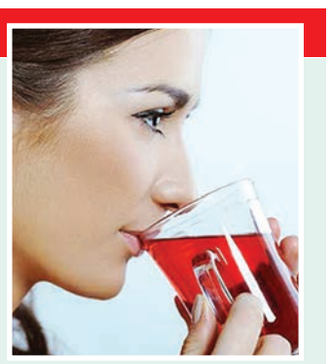

- थोड़े पानी में ब्लैक टी को रात भर भिगोने के लिए छोड़ दें। उसके बाद सुबह उठकर चेहरे पर लगा लें। इससे आपका चेहरा खिला-खिला नजर आएगा।
- आंखों की सूजन को कम करने के लिए टी बैग्स को फ्रिज में रखकर ठंडा कर लें और फिर आंखों के नीचे हल्के हाथों से लगा सकते हैं।
- बेदाग त्वचा पाने के लिए आप चायपत्ती को शहद के साथ अच्छे से मिलाकर अच्छे से स्क्रब करें और 5 मिनट स्क्रब करने के बाद ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें।
- इसके अलावा आप गुलाब जल और चायपत्ती को मिक्स करके भी लगा सकते हैं। इससे स्किन पर ग्लो आता है ।
- चायपत्ती फेसपैक बनाने के लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल के साथ काली चाय को मिलाकर एक फेसपैक तैयार कर लें। इसे आप हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे त्वचा के कील-मुहांसे दूर हो जाते हैं।

सावधानियां

- त्वचा पर चायपत्ती का इस्तेमाल करने से पहले एक बार पैच टेस्ट जरूर करें ताकि स्किन को कोई नुकसान न हो।
- अपने चेहेर के अनुरूप ही साम्रगी का इस्तेमाल करें। अगर किसी चीजे के इस्तेमाल से चेहरे पर तकलीफ हो रही है, तो उसे तुरंत बंद कर दें।
- ध्यान रहे कि चायपत्ती का उपयोग करते समय वह आपके मुंह, कान और नाक में न जाए।
- ब्लैक टी दरदरी होती है। सीधे इसका चेहरे पर उपयोग न करें बल्कि इसमें शहद, दही या मुल्तानी मिट्टी लगाकर अप्लाई कर सकते हैं।

अपेंडिसाइटिस की समस्या में फायदेमंद हो सकते हैं ये योगासन

अगर हमारा पेट स्वस्थ रहता है, तभी हम अच्छे से भोजन खा पाते हैं या पचा पाते हैं। इसकी मदद से हमारा शरीर सही ढंग से काम करता हैं लेकिन अगर पेट में ही कोई परेशानी हो जाए, तो इससे कहीं न कहीं आपका पूरा शरीर प्रभावित होता है। ऐसी ही पेट से जुड़ी एक समस्या अपेंडिक्स है। दरअसल अपेंडिक्स शरीर में मौजूद एक अंग होता है। यह छोटी और बड़ी आंत के बीच होता है। इसमें पाचन क्रिया के लिए अच्छे बैक्टीरिया जमा होते हैं, जो खाना पचाने में मदद करते हैं लेकिन आंतों में इंफेक्शन, कब्ज और पेट में गंदे बैक्टीरिया के कारण अपेंडिक्स में सूजन आ जाती है या इसकी नली में रुकावट भी जाती है।

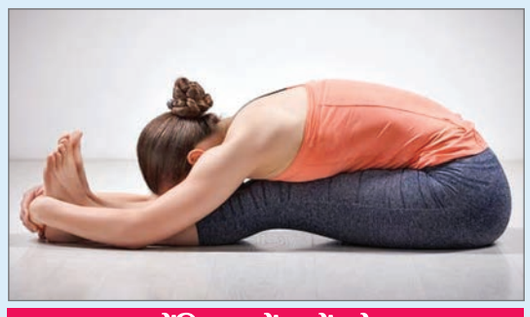

अपेंडिक्स में करें योग

वृक्षासन

अपेंडिक्स की समस्या में वृक्षासन करने के कई फायदे हैं। इसकी मदद से अपेंडिक्स के लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है। इस योग से पाचन को ठीक किया जा सकता है। पाचन क्रिया ठीक होने से पेट के दर्द और भूख लगने की समस्या में आराम मिलता है।

वृक्षासन करने का तरीका

- वृक्षासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले आप एक योग मैट पर खड़े हो जाएं।
- इसके बाद एक पैर को घुटने से मोड़कर पैर के तलवे को दूसरे पैर की जांघ पर टिका दें।
- इस समय दूसरा पैर सीधा होगा और उसी पैर से संतुलन बनाए रखें।
- इस मुद्रा के दौरान गहरी सांस भरकर दोनों हाथों को ऊपर उठाते हुए सिर के ऊपर ले आएं और दोनों हथेलियों को जोड़ लें। हाथों से नमस्कार मुद्रा बनाएं।

सावधानियां

- अगर आपको माइग्रेन या हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी है,तो इस योग के प्रयास से बचें।
- गर्भवती महिलाओं को भी इस योग को ट्रेनर की उपस्थिति में ही करना चाहिए।

सर्वांगासन

सर्वांगासन में पीठ के बल लेटकर पैरों को ऊपर उठाया जाता है। इस आसन की मदद से पेट में कब्ज और गैस की समस्या से आराम मिलता है। इससे पैरों की मांसपेशियों को भी आराम मिलता है।

सर्वांगासन योग करने का तरीका

- सर्वांगासन में पीठ के बल लेट जाएं। फिर दोनों हाथों को सीधा शरीर से लगाकर रखें।
- इसके बाद धीरे-धीरे सांस लेते हुए पहले पैरों, फिर कुल्हों और अंत में कमर को ऊपर उठाएं।
- ऊपर की ओर शरीर का संतुलन बनाए रखने के लिए कमर को हाथों से सहारा दें और कोहनियों को जमीन पर टिका दें।
- इस मुद्रा में दोनों पैर सटे हुए और बिल्कुल सीधे होने चाहिए।
- कुछ सेकेंड के लिए इसी अवस्था में रहें और सांस लेते और छोड़ते रहें।
- अब धीर-धीरे पैरों को वापस स्थान पर ले आएं और प्रारंभिक मुद्रा में आ जाएं।

सावधानियां

- हृदय रोग या रीढ़ की हड्डी में परेशानी होने पर इस अभ्यास को न करें।
- यदि आपके गर्दन वाले हिस्से में दर्द हो, तो इस योग से परहेज करें।
- गर्भावस्था में इस योग को बिल्कुल न करें।
- कमर में दर्द होने पर इस आसन को न करें।

वीरभद्रासन योग

इस योग के नियमित अभ्यास से पेट की मांसपेशियों कोो मजबूती मिलती है, जिससे अपेंडिक्स की समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। इससे भूख न लगने की परेशानी भी कम हो सकती है।

वीरभद्रासन योग करने का तरीका

- इस योग को करने के लिए समतल स्थान पर पैरों के बीच कुछ दूरी बनाकर खड़े हो जाएं।
- फिर अपने दोनों हाथों को एक साथ ऊपर की ओर उठाकर जोड़ लें।
- इसके बाद बाएं पैर को धीरे से घुमाएं। अब शरीर को बाईं ओर घुमाएं और लंबी सांस लें और बाएं घुटने को मोड़ लें।

सावधानियां

- कमर वाले हिस्से में दर्द होने पर इस योगासन को न करें।
- अगर आपके पैरों में दर्द हैं या घुटनों में परेशानी है, तो इस योगासन को ट्रेनर की मौजूदगी में ही करें।

त्रिकोणासन योग

त्रिकोणासन में शरीर को तीन कोण के आकार का बनाया जाता है। इससे पेट और हाथों की मांसपेशियां मजबूत होती है। जिसकी वजह से अपेंडिक्स के दर्द को कम कर सकते हैं।

त्रिकोणासन योग करने के तरीके

- इस योगासन को करने के लिए योग मैट पर सीधे खड़े हो जाएं।
- दोनों पैरों को एक-दूसरे से अलग करें और दोनों हाथों को कंधे जितना ऊपर लाकर फैला लें।
- फिर गहरी सांस लेते हुए बाएं हाथ को ऊपर उठाकर हथेली को कान से चिपका लें।
- साथ ही अपने दाएं पैर को बाहर की तरफ मोड़ें।
- इसके बाद शुरुआती मुद्रा में वापस आ जाएं और दूसरी ओर से इस मुद्रा को दोहराएं।

सावधानियां

- कमर,पीठ, गर्दन या रीढ़ में समस्या होने पर इस योग को न करें।
- चक्कर आने या सिर घुमने की समस्या है, तो इस योग को न करें।

होली के त्योहार को लेकर हुई सीएलजी सदस्यों की बैठक

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। होली के त्यौंहार को मध्यनजर रखते हुए सीएलजी सदस्यों की बैठक का आयोजन कोतवाली थाना परिसर में सीआई बैगाराम मीणा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के दौरान नगरपरिषद की आयुक्त चारवी, विद्युत निगम की ओर से कनिष्ठ अभियंता गौतम मेघवाल, नगरपरिषद के सफाई निरीक्षक ओमप्रकाश स्वामी, मुन्नालाल मीणा मौजूद रहे। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप तोदी ने कहा कि नगरपरिषद जाली लगाने तक की व्यवस्था समय पर नहीं करती। दिनेश तंवर ने कहा कि कई बार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होता है। अरविंद सोनी ने आयुक्त से कहा कि आपके कर्मचारी गंभीरता से काम नहीं करते। इस अवसर पर होली मंगळाने के स्थान पर पर्याप्त साफसफाई और रोशनी व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। सीआई बैगाराम मीणा ने कहा कि कुछ युवकों का गिरोह डाउन पेमेंट पर बाईक, मोबाईल आदि लेने का काम कर रहा है और फिर ये लोग दूसरे राज्यों में बाईक भेज देते हैं, इसलिए इस प्रकार के लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सीआई ने कहा कि स्कूटी छोटे बच्चों को देकर बाहर मत भेजें। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में फिर से सीएलजी सदस्यों की नियुक्ति होगी, इसलिए प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक सक्रिय व्यक्तिए जो जन समस्याओं को समझ सके, ऐसे लोगों के नाम सुझावें। कॉमरेड जगदीश नाथ ने कहा कि आपणी योजना वाले सड़क तोड़कर वापस ठीक नहीं करते। बैठक के दौरान रफीक खींची, श्याम स्वर्णकार, कोमल गौड, सुनील सोनी, खड़गसिंह बांठिया, जगदीश नाथ, बजरंग सेन, प्रकाश सोनी, गिरधारीलाल बुगालिया, पांचीराम, विनोद खटीक, कन्हैयालाल जाखड़, सैयद, मदन सोनी, शिवभगवान चौहान विमल गोदारा आदि लोग मौजूद रहे।

होली से पहले बनाए जा रहे गोबर के बड़कुल्ये

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। होली का त्यौंहार ज्यों-ज्यों नजदीक आ रहा है, त्यों-त्यों परम्परागत रूप से घरों में रस्मों रिवाजों का निभाय जाना भी शुरू हो चुका है। एक तरफ जहां घरों में साफसफाई का दौर चल रहा है। वहीं परम्परागत रूप से घरों में गोबर के बड़कुल्ये बनाया जाना भी शुरू किया जा चुका है। गृहिणी गायत्री प्रजापत ने बताया कि गोबर के बड़कुल्यों के साथ.साथ चांदए सूरज, तारे, होलका आदि भी गोबर से बनाए जा रहे हैं। इनकी माला के साथ होलिका दहन किया जाता है। परम्परागत रूप से बनाये जावे वाले इन बड़कुल्यों के निर्माण में बच्चे भी गृहिणियों का हाथ बंटा रहे हैं।

यूजीसी के समर्थन में शक्ति प्रदर्शन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रदेश में समान नागरिक संहिता यूजीसी को लेकर जारी घमासान के बीच गुरुवार को राजधानी के शहीद स्मारक पर समर्थन में बड़ा प्रदर्शन हुआ। आजाद समाज पार्टी कांशीराम और भीम आर्मी के नेतृत्व में एससीएएसटी और ओबीसी समाज के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के पक्ष में हुंकार भरी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने का प्रयास किया। जिन्हें पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर रोका। शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। जब भीड़ ने मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस के साथ उनकी हल्की झड़प भी हुई। कुछ उत्साहित कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़कर संगठन का झंडा लहराने लगे। जिन्हें पुलिस ने मशक्कत कर नीचे उतारा। भामाशाह चेतराम बैरवा के नेतृत्व में हुए इस महा-आंदोलन में वक्ताओं ने कहा कि मौजूदा सामाजिक व्यवस्था में दलित, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग और महिलाओं के साथ भेदभाव हो रहा है। बैरवा ने आरोप लगाया कि मनुवादी सोच के कुछ लोग इस बिल का विरोध कर रहे हैं। जबकि यह कानून वंचितों के अधिकारों की रक्षा करेगा। कोर्ट के निर्देशों के बाद सरकार यह बिल लाई थी, लेकिन विरोध के कारण इस पर रोक लग गई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार को जल्द ही यूजीसी लागू करने पर सकारात्मक फैसला लेना चाहिए। शाम को भीम सेना के कार्यकर्ताओं ने भी पुरजोर समर्थन किया। संगठन के नेताओं ने कहा कि यूजीसी लागू होने से समाज में समानता आएगी। उन्होंने स्वर्ण जाति समाज से अपील की कि वे व्यवस्था सुधार के लिए बड़ा दिल दिखाएं और सहयोग करें। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में व्यापक विरोध के बाद 29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी नियमों पर अंतरिम रोक लगा दी थी। न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि नए नियमों में कुछ अस्पष्टताएं हैं जिनके दुरुपयोग की संभावना है। इसलिए अंतिम फैसले तक वर्ष 2012 के नियम ही प्रभावी रहेंगे।

रॉयल्टी कर्मचारी के साथ मारपीट, ग्रामीणों ने नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

निसं

बीदासर (नवयत्न)। तहसील क्षेत्र के गांव मानपुरा में बुधवार की रात्रि में रॉयल्टी नाका पर भरतपुर के कार्यरत एक कर्मचारी के कपड़े उतार कर दौड़ा-दौड़ा कर बेहरमी से पीटने के मामले को लेकर ग्रामिणवासियों में आक्रोश व्याप्त है। मामले को लेकर गुरूवार को गांव मानपुरा, घंटियाल, ढिगारीया व आस पास के सैकड़ो ग्रामिणों ने घटना को लेकर उपखंड कार्यालय पहुंचकर जमकर नारेबाजी व आक्रोश प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन एसडीएम अमीलाल यादव को सौंपा। ग्रामिणों द्वारा एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि हमारे ग्राम मानपुरा में रॉयल्टी का नाका बना हुआ है। उक्त रॉयल्टी नाकें पर रहने वाले कर्मचारी अपना कोई पहचना पत्र नही रखते और रात्रि के दौरान गांव की गल्लियों व आस पास की खेत ढाणियों में सींवें फांदकर घुस जाते हैए और आम रास्तों पर आमजन की जान की परवाह किये बगैर तेज गति व लापरवाही से बिना नम्बर के वाहनों को दौड़ाते है। रॉयल्टी नाका पर अक्सर 20 से 25 अज्ञात बदमाश प्रवृत्ति के व्यक्तियों का जमवाड़ा रहता है। गांव ढाणियों के निवासियों में इन रॉयल्टी वालों का आंतक व्याप्त हो रखा है। आस पास के कई ढाणियों व घरों में महिलाएं व बच्चें अकेले रहते है और घरों के पुरूष सदस्य मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहते है। जिसके कारण हर समय अनहोनी का भय बना रहता है। इसी दौरान 24 फरवरी 2026 को रात्रि के समय 20 से 25 अज्ञात व्यक्ति एक राय होकर उम्मद सिंह, भीखाराम, नेमाराम, लक्ष्मणराम, गढ़वालों की ढाणी व कालूराम मेघवाल के खेतों में सींवें फांदकर अवैध तरीके से घुस गये और हाथों में लाठी, डंडे, सरियें आदि लिए हुए थे, और हो हल्ला कर रहे थे। कुछ समय बाद उक्त व्यक्तियों द्वारा एक अज्ञात व्यक्ति को नग्न अवस्था में खेतों में दौड़ा दौड़ा कर पीट रहे थे। उन व्यक्तियों को इस बारे में उलाहना दिया तो बोले हम जैसा चाहे वैसा करें, जहां चाहे घुसे, हमें कोई नही रोक सकता। अगर किसी ने हमें रोका टोका तो उसके लिए अच्छा नही होगा। रात्रि में खेतों में अज्ञात व्यक्तियों के घुस जाने की घटना के संबंध में जब पुलिस को सूचना दी तो कोई कार्यवाही नही हुई। उक्त रॉयल्टी नाके का संचालक नियमों व आमजन की सुरक्षा को ताक में रखकर बदमाश प्रवृत्ति के व्यक्तियों को नाके पर लगा रखा है, जो गांव में हुड़दंग कर ग्रामीणों को आतंकित कर रहे है। इन व्यक्तियों को पुलिस व कानून का कोई भय नही है। उक्त घटना के कारण ग्राम व ढाणियों के महिलाओं व बच्चों में भय व्याप्त हो रखा है, और बच्चें डरे सहमें हुए है। ज्ञापन में ग्रामिणों ने रॉयल्टी नाके में कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए आईडी कार्ड रखना अनिवार्य करनें, तथा उपयोग में लिए जाने वालें वाहनों पर नंबर प्लेट लगानेए बिना अनुमति के किसी की खेतए ढाणियों व घरों में अवैध प्रवेश नही करने तथा ग्रामिणों को आंतकित नही करने व 24 तारिख की रात्रि में हुई घटना में शामिल व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही व रॉयल्टी नाके पर अवैध तैनात बदमाश प्रवृत्ति के लोगों को हटाने तथा भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो जिसके लिए पुलिस प्रशासन को पाबंद करने की मांग ज्ञापन में की है। ज्ञापन देने वालों में औम प्रकाश गढ़वाल, औम प्रकाश जाखड़, विक्रम सिंह, गोपाल गढवाल, कुंदनमल, राजकुमार, उदाराम, रामनिवास, चिमनाराम, भुराराम, लेखराम, नंदलाल, किशनाराम सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है जिस रॉयल्टी नाके पर कर्मचारी के साथ मारपीट हुई थी, उसका पुलिस थाना में समाचार लिखे जाने तक कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

हड़ताल के तीसरे दिन उग्र हुआ बस ऑपरेटरों का आक्रोश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान में निजी बस ऑपरेटरों की हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। सरकार की ओर से वार्ता की कोई पहल नहीं होने के कारण बस ऑपरेटरों का धैर्य जवाब दे रहा है और अब यह आंदोलन शांतिपूर्ण से उग्र रूप अख्तियार करने लगा है। राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में करीब 35 हजार बसों के पहि, थमे रहने से आम जनता, परीक्षार्थी और फाल्गुन मेले में जा रहे श्रद्धालु बेहाल हैं। वहीं जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर गुरुवार को प्रदर्शन का हिंसक चेहरा सामने आया। हड़ताली ऑपरेटर्स ने जबरन निजी बसें रुकवाई और नियमों की अवहेलना कर बस चलाने वाले चालक-परिचालकों के साथ धक्का-मुक्की की। दौसा के महुआ में प्रदर्शनकारियों ने एक बस कंडक्टर को जबरन नीचे उतारकर जूतों की माला पहना दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अलवर में भी ऑपरेटरों ने सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इधर वर्तमान में खाटू श्याम जी का लक्खी फाल्गुन मेला चल रहा है, जहां लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बसों की अनुपलब्धता के कारण श्रद्धालुओं को भारी असुविधा हो रही है। दूसरी ओर, होली का पर्व नजदीक होने के कारण घर जाने वाले प्रवासी श्रमिक और यात्री बस अड्डों पर फंसे हुए हैं। बीकानेर के नापासर में हृदयविदारक स्थिति दिखी, जहां परीक्षा केंद्र जाने के लिए साधन न मिलने पर छात्राएं सड़क पर ही फूट-फूटकर रोने लगीं। ऑल राजस्थान कांटेक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मदन यादव का कहना है कि वे संवाद के पक्षधर है, लेकिन सरकार की चुप्पी ने असंतोष पैदा कर दिया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने चेतावनी दी है कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं, हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल से न केवल जनता परेशान है, बल्कि सरकार को भी टोल और डीजल वैट के रूप में करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। बस संगठनों का आरोप है कि सरकार वार्ता के बजाय प्रशासनिक दबाव से आंदोलन को कुचलना चाहती है। ऑपरेटरों के अनुसार यह व्यवसाय हजारों परिवारों का आधार हैए जिन पर अब संकट मंडरा रहा है।

सड़क हादसे में एक बच्चे सहित तीन घायल

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। शहर के पास देवरोड़-चिड़ावा मार्ग पर दोपहर में एक टेम्पो और अज्ञात वाहन में टक्कर से हादसा हो गया। हादसे में टेंपों में सवार एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और उसकी एक बच्ची घायल हो गए। घटना स्थल से निजी वाहन से घायलों को चिड़ावा उप जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद महिला को झुंझुनूं रैफर कर दिया। जानकारी के अनुसार देवरोड़ के पास ईंट भट्टे पर काम करने वाला गौरी खानपुर, यूपी निवासी प्रदीप कुमार पेट दर्द दिखाने के लिए पत्नी शिव देवी और बेटी ओमी के साथ ऑटो में चिड़ावा की तरफ आ रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने ऑटो में जोरदार टक्कर मारी। अज्ञात गाड़ी मौके से फरार हो गई। वहीं टक्कर के बाद अनियंत्रित हुआ ऑटो पलट गया। ऑटो में सवार प्रदीप, उसकी पत्नी शिव देवी और बेटी ओमी घायल हो गए। सूचना पर 108 मौके पर पहुंची लेकिन उससे पूर्व ही निजी वाहन में सभी घायलों को बैठकर उप जिला अस्पताल चिड़ावा लाया गया। जहां पर प्रदीप और उसकी बेटी ओमी को प्राथमिक उपचार दिया गया और गंभीर रूप से घायल शिव देवी को झुंझुनू रैफर कर दिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दबोचा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सोडाला थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग बहनों के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी अपराधी नोशाद अब्बास को गिरफ्तार कर लिया है । आरोपी के खिलाफ पहले से ही अपहरण और दुष्कर्म के गंभीर मामले दर्ज हैं । पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि मार्च 2025 में सोडाला क्षेत्र से 13 और 17 साल की दो सगी बहनें लापता हो गई थी । पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों बालिकाओं को दस्तयाब किया, उन्होंने जांच के दौरान तीन अलग-अलग लोगों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की बात बताई । इस मामले में पुलिस पूर्व में ही 07 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है । वहीं इस मामले में इनामी बदमाश नौशाद अब्बास 25 निवासी हसनपुरा सदर न केवल सोडाला के इस संवेदनशील मामले में वांछित था, बल्कि सदर थाने में दर्ज एक युवती को भगाने के मामले में भी फरार चल रहा था । लगातार ठिकाने बदलने के कारण उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी जिसके बाद उस पर इनाम घोषित किया गया था । इसके बाद एसीपी सोडाला सुनील प्रसाद शर्मा के निर्देशन में थानाधिकारी बलबीर सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई । टीम ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों के जाल की मदद से आरोपी के छिपने के संभावित ठिकानों पर दबिश दी और आखिरकार उसे डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया।

अवैध देशी कट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन आग आग के तहत सीएसटी और ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। फ्लिहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि सीएसटी टीम द्वारा अवैध हथियार तस्करों के खिलाफ आसूचना संकलन किया जा रहा था । इस दौरान पुख्ता जानकारी मिली कि ब्रह्मपुरी इलाके में नगर निगम कॉलोनी पार्क के पास एक संदिग्ध व्यक्ति हथियार के साथ खड़ा है । पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और आरोपी को दबोच लिया । पकड़े गए आरोपी की पहचान गोपाल गुप्ता 35 निवासी तिलक नगर आदर्श नगर के रूप में हुई है। जो वर्तमान में सांगानेर के सिद्धि विनायक अपार्टमेंट में रह रहा था।

गींदड़ प्रतियोगिता आज से

तारानगर (नवयत्न)। भारतीय मानव विकास संस्थान तारानगर की ओर से होली के उपलक्ष में गढ़ चौक के आगे 27 फरवरी से 2 मार्च तक चार दिवसीय गींदड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष देवकीनंदन सैनी ने बताया कि संस्थान की ओर से गींदड़ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। संस्थान की ओर से गींदड़ प्रतियोगिता की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

सचिवालय में फर्जी ओएसडी की सेंध : केंद्रीय मंत्री का नाम लेकर मांगा वीआईपी प्रोटोकॉल

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान सचिवालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब भारत सरकार के एक केंद्रीय राज्य मंत्री के नाम पर फर्जी प्रोटोकॉल मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया। एक शातिर व्यक्ति ने खुद को सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री का ओएसडी बता कर जयपुर, उदयपुर और राजसमंद में तीन दिन का वीआईपी प्रोटोकॉल और सुरक्षा मांगी। सचिवालय प्रशासन की सतर्कता से फर्जीवाड़ा पकड़ में आ गया, जिसके बाद अशोक नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा ने बताया कि सचिवालय के डिप्टी चीफ प्रोटोकॉल अधिकारी मानसिंह मीणा ने मामला दर्ज करवाया है कि 19 फरवरी को विभाग को एक पत्र मिला। जिसमें करण सिंह नाम के व्यक्ति ने खुद को केंद्रीय मंत्री का ओएसडी बताते हुए मंत्री के तीन दिवसीय राजस्थान दौरे का पूरा शेड्यूल भेजा था। पत्र में जयपुर में प्रवास के अलावा उदयपुर और राजसमंद नाथद्वारा मंदिर में दर्शन और मुख्यमंत्री से मुलाकात का भी जिक्र किया गया था।

जब प्रोटोकॉल विभाग को जब पत्र की सत्यता पर संदेह हुआ तो इसकी दिल्ली स्थित संबंधित मंत्रालय से पुष्टि की गई। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि करण सिंह नाम का कोई भी व्यक्ति मंत्री का ओएसडी है ही नहीं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई आधिकारिक दौरा तय नहीं किया गया है। विभाग की जांच में पूरा यात्रा कार्यक्रम फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी पद के दुरुपयोग और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस फर्जी ओएसडी की तलाश में जुट गई है। पुलिस की ओर से आरोपी के बारे में मंत्रालय से जानकारी जुटाई जा रही है और उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जाएगी।

डोडा पोस्त सप्लाई करने आए तस्कर को दबोचा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जवाहर सर्किल थाना पुलिस और जिला विशेष टीम डीएसटी पूर्व ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए भीलवाड़ा से जयपुर में डोडा पोस्त सप्लाई करने आए एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 27 किलो 818 ग्राम अवैध मादक पदार्थ बरामद किया है । फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए डोडा पोस्त सप्लाई करने आए गिरफ्तार आरोपी श्रवण कुमार 19 निवासी जोजवा भीलवाड़ा है । पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि वह यह डोडा पोस्त भीलवाड़ा से लेकर आया था और जयपुर के दुर्गापुरा इलाके में किसी को सप्लाई करने वाला था । पुलिस अब उन लोगों की तलाश कर रही है जो भीलवाड़ा से माल भेज रहे थे और जयपुर में इसे रिसीव करने वाले थे। इस कार्रवाई में टीम के उप.निरीक्षक बन्ना लालए कांस्टेबल राजेश, नीरज और हेमंत की इस धरपकड़ में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यालय नगर परिषद, सीकर
Add:- Salasar Bus Stand Sikar Pin 332001
Email:- sikarulb.jaipur@gmail.com

No. :- F.15( )/MCS/DEV/2025-26/498 Date: 24/02/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना 36/2025-26

Bids for Civil Works in (Total works - 08) Municipal Council, Sikar of subject metters are invited from intrested bidders up to 27.02.2026 at 03:00 PM. Other Particulars of the bid may be visited on the portal http://sppp.rajasthan.gov.in of the state.
NIB CODE :- DLB2526B2095

S.NO.	UBN NO.	S.NO.	UBN NO.
1	DLB2526WSOB35811	5	DLB2526WSOB35816
2	DLB2526WSOB35812	6	DLB2526WSOB35817
3	DLB2526WSOB35813	7	DLB2526WSOB35818
4	DLB2526WSOB35815	8	DLB2526WSOB35819

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/21419 नगर परिषद, सीकर

MHWR13-001499-2025 No. 4 PMHWR130014992025_2_1

CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION ARVI
IN THE COURT OF Amol Ramchandra Surve
Civil Judge Senior Division Arvi, Arvi, Wardha.
Sum.Civ.Suit/4/2025

SUMMONS IN A SUMMARY SUIT (0.37, R.2)

Krishna Udyog through prop. Bhagwandas Shivdhasji Rathi Vs M/S. Gorakh Trading Com. through Prop. Suresh Ranjeet Chahar and others 1
NEXT DATE: 13-03-2026

To,
M/S. Gorakh Trading Com. through Prop. Suresh Ranjeet Chahar and others 1
Niradhanu, T. Malisisar, D. jhunjhunu rajasthan

Whereas **Krishna Udyog through prop. Bhagwandas Shivdhasji Rathi** has instituted a suit against you under **Order XXXVII** of the Code of Civil Procedure, 1908, for ₹ **12,70,985/-** and interest, you are hereby summoned to cause and appearance to be entered for you, **within ten days** from the service hereof, in default whereof the plaintiff will be entitled, after the expiration of the said period of ten days, to obtain a decree for any sum not exceeding the sum of ₹ **12,70,985/-** and the sum of ₹ for costs, together with such interest, if any, as the Court may order.

If you cause an appearance to be entered for you, **Krishna Udyog through prop. Bhagwandas Shivdhasji Rathi** the plaintiff will thereafter serve upon you a summons for judgment at a hearing of which you will be entitled to move the Court for leave to defend the suit.

Leave to defend may be obtained if you satisfy the Court by affidavit or otherwise that there is a defence to the suit on the merits or that it is reasonable that you should be allowed to defend.

Given under my hand and the seal of the Court, this **07-02-2026**

Civil Judge Senior Division Arvi

Visit **ecourts.gov.in** for updates or download mobile app **"eCourts Services"** from Android or iOS

The process is system generated and transmitted in secured manner by authorised user as such physical signature not applied.

Sd./-
Assistant Superintendent
Civil Judge Sr. Dn. ARVI

स्काउट गाइड का मेला सेवा शिविर जारी

निसं

पलसाना (नवयत्न)। श्री श्याम फाल्गुनी लक्खी मेले में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मेला सेवा ऐतिहासिक शिविर पूरे राज्य ही नहीं पूरे राष्ट्र में अपनी पहचान तथा जनसाधारण पर सेवा की अमिट छाप छोड़ने वाला जारी है। शिविर संचालक सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा ने बताया की विभिन्न स्थानीय संघों से आए आंदोलन के कर्मठ ऊर्जावान स्काउटर, गाइडर, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर द्वारा दिन रात चार पारियों में निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। स्काउट गाइड सदस्यों द्वारा उद्घोषणा करवाना एवं पर्ची बनाना, खोया पाया जिसमें मोबाइल, आवश्यक दस्तावेज, नकद राशि सहित अनेक प्रकार की वस्तुएं जमा करवा कर संबंधित के पास पहुंचाना, श्याम कुंड में भोजन एवं नाश्ते के पैकेट पैक करना, गुमशुदा लोगों को परिजनों से मिलाना, बैरिकेटिंग में श्रद्धालुओं को पानी के पाउच वितरण करना, प्राथमिक चिकित्सा में सहयोग एवं श्रद्धालुओं को अस्पताल तक पहुंचाना, स्वच्छता कार्य, दिव्यांग वृद्ध जनों को व्हील चेयर से दर्शन में सहयोग सहित विभिन्न प्रकार की सेवाओं को स्काउट गाइड सदस्यों द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। सेवा से अभिभूत प्रत्येक दर्शनार्थी द्वारा स्काउट सदस्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखकर अपने-अपने तरीके से धन्यवाद ज्ञापित करने का उत्सुक देखा गया, इतना ही नहीं बल्कि जिला प्रशासन एवं मेला मजिस्ट्रेट मोनिका सामोर एवं मंदिर कमेटी के पदाधिकारी ने भी स्काउट गाइड के कार्यों की भूरी भूरी प्रसन्नता व्यक्त की। एकादशी पर स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा रथ यात्रा में भी सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर रामलाल चौधरी, गिरधारी लाल डावर, सचिव पवन कुमार शर्मा, प्रभुदयाल कुमावत, एडवोकेट जनार्दन शर्मा, सुवालाल कुमावत, विष्णु शर्मा, पप्पू राम मीणा, राजवीर सिंह यादव, सांवरमल छब्बरवाल, सीताराम गुप्ता, देवीलाल जाट, मोहनलाल सुखाड़िया, दिलीप कुमार तिवाड़ी, रामनिवास डाबला, रामपाल सिंह, धनराज सैनी, राघव शर्मा, इरशाद, लखन बावरिया, निक्की जांगिड़, रामप्रसाद भास्कर, पितांबर लोरा, सचिन शर्मा सहित स्काउट, गाइड, रोवर रेंजर स्काउटर, गाइडर, रोवर लीडर व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

पीएम मोदी की अजमेर रैली को सफल बनाने का आह्वान

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। स्थानीय करणी निवास में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 28 फरवरी को अजमेर में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल जनसभा को ऐतिहासिक बनाने को लेकर व्यापक रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। भाजपा नेता करणी सिंह ने कहा कि अजमेर रैली केवल एक जनसभा नहीं, बल्कि संगठन की शक्ति एवं कार्यकर्ताओं का विराट प्रदर्शन होगी। उन्होंने सभी मंडलों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे अधिकाधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करें।

सिंह ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में संपर्क अभियान चलाकर लोगों को रैली में शामिल होने के लिए प्रेरित करे, ताकि अजमेर में ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज हो सके। बैठक का संचालन नितेश माथुर ने किया। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी प्रवीण पुरोहित, सह-प्रभारी रामसिंह बेगसर, तथा सभा प्रभारी रामाकिशन खीचड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में गौतम दत्त शास्त्री, ओमप्रकाश बागड़ा, जगदीश पारीक, हनुमान मल जांगिड़, प्रशासक मूल सिंह, सुमित्रा आर्य, मुकेश शर्मा, सुधीर चोटिया, बल्जी बिसायती, उमराव खान आदि मौजूद रहे।

खाटूश्यामजी के भक्तों का रींगस में त्रिवेणी संगम

सड़के भक्तों से अटी, आज निकलेगी विशाल निशान यात्रा

निसं

रींगस (नवयत्न)। रास रचैया रंग रंगीला, अलबेला मस्ताना खाटूश्यामजी के मेले में दसमी के दिन आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। हाथो में केसरिया पीताम्बरी निशान व रंग बिरंगे परिधानों को धारण किये लाखों भक्त रींगस में पहुंचे तो लोगों ने पलक पावड़े बिछा कर श्रद्धालुओं का जमकर स्वागत किया। अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा भी की गई लखदातार के जयकारों से से आसमान भी सूर्य की गर्मी को कम करता नजर आया। रंग बिरंगी पोशाकों सिर पर साफा पहन कर भक्तों ने शेखावाटी मिनी महाकुंभ का नजारा पेश कर दिया। जहां पर नजर जाए वही पर हाथों में निशान एक हाथ में मोरछड़ी देख कर लोग भाव विभोर हो रहे है। हजारो भक्तों ने रींगस के प्राचीन श्याम दरबार में हाजरी लगाकर निशान पूजा कर नंगे पाव खाटूश्यामजी की पदयात्रा शुरू की। इस दौरान भक्तों की जमकर आवभगत की गई। पग पग पर श्रद्धालुओं की ओर से श्रद्धालुओं के लिए लगाये गये भण्डारे में भक्तो ने अनेक प्रकार के व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। आस्था की डोर पर बंधे श्रद्धालु खिचते हुए बाबा की शरण में पहुंचते नजर आ रहे है। रींगस की सड़के भक्तो से अट हारे के सहारे के दीदार के लिए भक्तों में गहरी आस्था जुड़ी हुई है। भक्त शीश के दानी के जयकारे करते हुए मन की मुराद पुरी होने की कामना बाबा के दरबार में पहुंचा रहे है। प्राचीन श्याम मंदिर रींगस को बंगाली कारिगरो ने भव्य रूप से सजा कर बाबा की प्रतिमा को विदेशी फूलों

से दुल्हन की तरह अगारित किया है। बाबा की मोहनी रूप देढ़ा कर भक्त मंदिर में ही झूम उठे। लाखो भक्तों ने रींगस के प्राचीन श्याम मंदिर के दर्शन कर नंगे पांव पदयात्रा शुरू की। मान्यता है कि रींगस दरबार के दर्शन नहीं करने पर धार्मिक यात्रा अधुरी मानी जाती है ऐसा श्रद्धालु मानते है। वही रींगस के श्याम मंदिर के सेवक महेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में सुबह सवा नौ बजे से 31 सौ निशान यात्रा निकलेगी। शाम को बाबा नगर भ्रमण करेंगे। शोभायात्रा निशान यात्रा को लेकर तैयारिया पूरी हो गई है।

निशानों को सजाया

लखदातार के लाखो भक्तों ने इस बार अपने अपने निशानो को भी बहुत ही करीने से सजाया है। बाबा के ध्वज देख कर ही लोग भाव विभोर हो रहे है। रंग बिरंगे निशान, चांदी के निशान, 10-15 फीट के निशान आकर्षक का केन्द्र बने हुए है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि प्रशासन आठ फिट से अधिक लम्बे निशान को नहीं लाने की अपील कर रहे है लेकिन इस बार श्रद्धालु कह रहे है कि बाबा के पारम्परिक सजे निशान ही चढ़ाकर जायेगे। ऐसे में आठ आठ श्रद्धालु एक एक निशान को थामे भी नजर आ रहे है। इससे शेखावाटी श्याम की फिजा में घुल मिल गई है। ऐसे निशान कई वर्षों बाद लोगो को दिखाई दिये है।

खोल दिया कुबेर का खजाना

श्याम मेले में भक्तों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए धनकुबेरो ने अपना अपना खजाना खोल दिया है। पग पग पर भक्तों के लिए एक से बढ़ कर एक शानदार भण्डारे की व्यवस्थाए की गई है। दशमी के दिन भामाशाहों ने दिल खोल कर भण्डारे लगाये। हाल कुछ ऐसे थे कि रींगस में भैरुजी मोड से लेकर ऑवर ब्रिज तक सौ से अधिक लोगों ने बाबा की प्रसादी का जमकर वितरण किया। आब भगत देख भक्त इतने भाव विभोर हो गये कि हाथों में निशान थाने घंटो बाबा के भजनों पर झूमते नजर आये। यहीं रींगस में प्राचीन श्याम मंदिर की ओर से की गई सजावट को देख कर भक्त अपने आसू नहीं रोक पाये। हारे के सहारे की झलक देख कर कई महिलाओं की आखो में अनायास

ही पानी टपकने लगा। भण्डारा संचालकों ने अपनी पूरी ताकत झोक रखी है। मेले में भण्डारा संचालको की ओर से बनने वाले व्यंजनों में प्याज व लहसून नहीं डाला जा रहा। ऐसे स्वादिष्ट भोजन पाकर लोग आश्चर्य चकित हो रहे है कि बिना प्याज व लहसून के इतना जायका कैसे बन गया। वही अनेक भक्तों ने भी बाबा की चाकरी करते हुए भण्डारों में अपनी सेवाएं दी। वही भक्त भी भर भर कर झोली बाबा का प्रसाद लेकर जा रहे है यही भण्डारा संचालको के भण्डारे में रत्ति भर भी फर्क नहीं पड़ रहा। जैसे जैसे भक्तों में प्रसादी का वितरण किया जाता है वैसे वैसे भण्डारा अपने आप ही मस्ता भी नजर आ रहा है। यानी बाबा का खजाना जितना लुटाया जा रहा है उसमें उतना ही फिर से आ रहा है। लाखो श्रद्धालों को प्रसादी का वितरण के बाद भी बाबा की रसोई में कोई फर्क नहीं पड़ रहा लोग दोगुने उत्साह से प्रसाद बाट रहे है।

31 सौ श्रद्धालु आज निकालेंगे निशान यात्रा

आज सुबह सवा नौ बजे तोरण द्वार से भव्य निशान यात्रा निकलेंगी। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए निशान यात्रा प्राचीन श्याम मंदिर में पहुंचेगी। निशान यात्रा सेवक महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित होगी। श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष विक्रम सिंह व विजय सिंह ने बताया कि शाम को श्याम मंदिर से भव्य निशान यात्रा निकाली जायेगी। इस दौरान लखदातार नगर का भ्रमण कर श्रद्धालु को दर्शन देंगे। इस दौरान अनेक झाकियां भी शेभायात्रा में शामिल होगी। शोभायात्रा की तैयारिया पुरी कर ली गई है। आमजनों को इसने जुड़ने का सीधा मौका मिल रहा है।

आज यातायात पर रहेगा दबाव

एकादशमी के दिन दूर दराज के भक्त अपने अपने वाहनों में सवार होकर लखदातार के दर्शनों को उमड़ेगे। शुक्रवार शाम होते ही वाहनों का काफिला गुजरने लगेगा। ऐसे में श्रद्धालुओ से अपील है कि वाहन को धीरे चलाये ताकि सड़कों पर चल रहे श्रद्धालु तथा वाहन में सवार भक्तों की सुरक्षा हो सके।
धीरे चलेंगे तो स्वयं व पदयात्री भी सुरक्षित रहेंगे।

पालिका की सफाई व्यवस्था चरमराई

रींगस की मुख्य सड़क मार्ग जहां पर सबसे ज्यादा श्रद्धालु पदयात्रा करते है यहा पर नगर पालिका की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। अनेक कर्मचारी लगाने के बावजूद इस मुख्य मार्ग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। यहां पर गंदगी के ढेर लगे है। हमेशा चार से पाच राउण्ड सफाई व्यवस्था होती थी जो इस बार एक-दो बार ही की जा रही है। हालांकि सफाई में सबसे बड़ा योगदान कचरा बिनने वाले निभा रहे है। यहा पर दर्जनों कचरा बिनने वाले लोग प्लास्टिक की थैलिया कप खाली बोतले उठा कर ले जा रहे है। इससे ऐसा प्रतिक हो रहा है कि ये कबाड़ बिनने वाले मेले में व्यवस्था कर रहे है या फिर कचरा बिन कर अपना कारोबार कर रहे है लेकिन कुछ भी हो ये लोग सड़कों की सफाई में जुटे है जहां पर नगर पालिका फेल नजर आ रही हैं। इतने संसाधन झोकने के बाद भी पालिका समुचित सफाई व्यवस्था नहीं करवा पा रही है।

शेखावाटी की फिजा श्याम रंग में

पैदल चालणिये के सारी चाले बाबा श्याम भक्तों ने रींगस की चौड़ी चौड़ी सड़कों पर शेखावाटी की फिजा ही श्याम रंग में रंग दी। हाथों में बीस से तीस फीट के नयनाभिराम निशान थामे एक हाथ में मोरपंखी लोगो को लुभा रही है। भारी भरकम निशान थामने तथा एक हाथ में मोरछडी होने के बावजूद भक्तों का जोश जबरदस्त है। भक्त यह गीत गाते हुए कह रहे है कि पैदल चलने वालो के साथ साथ स्वयं हारे का सहारा चलता है ऐसे में किसी को थकान व कमजोरी नहीं आती। वहीं उनका कहना है कि निशान उठाने का मौका बाबा श्याम बहुत ही शोभाक्यशाली को देता है ऐसे में लोग इस बार पारम्परिक बडे व भव्य निशान लाते नजर आ रहे है।

जयपुर बना ग्लैमर का केंद्र : मिस यूनिवर्स राजस्थान और मिस टीन का भव्य आगाज

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से मिस यूनिवर्स राजस्थान 2026 और मिस टीन राजस्थान 2026 का भव्य आधिकारिक शुभारंभ राजधानी जयपुर में हुआ। इस वर्ष इन प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं की आधिकारिक फ्रेंचाइजी शुभ स्टार के पास है। जो प्रदेश की युवतियों को विश्व पटल पर चमकने का अवसर प्रदान करेगी। स्टेट डायरेक्टर शुभम कुमार ने बताया कि यह मंच केवल एक सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राजस्थान

की युवतियों के सपनों को पंख देने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि यहां से चयनित प्रतिभागी मिस यूनिवर्स इंडिया के मंच तक पहुंचेंगी और आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकती हैं। शुभम कुमार ने राष्ट्रीय निदेशक निखिल आनंद और फ्रेंचाइजी डायरेक्टर अमजद खान का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि राजस्थान एक बार फिर देश को गौरवान्वित करेगा। वहीं इस कार्यक्रम में राजस्थान के अरुण कुमार सिंह का भी अहम योगदान रहा। इसके अलावा इस कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण मिस यूनिवर्स राजस्थान 2025 शीना पराशर रहीं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह मंच व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और अनुशासन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रदेश की युवतियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी झिझक छोड़कर आगे आएं और अपने सपनों को साकार करें। आयोजन टीम की प्रमुख सदस्य मोनिका सिंह ने स्पष्ट किया कि संस्था का ध्येय केवल सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी रोल मॉडल तैयार करना है जो समाज को प्रेरित कर सकें। वहीं, ज्योत्सना राय ने पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी साझा की।

गढ्ढे में गिरे बछड़े को गौभक्त ने बचाया

निसं

बुगाला (नवयत्न)। गांव के पास सड़क किनारे बने एक गहरे गड्ढे में गिरने से एक बछड़ा घायल हो गया। गोभक्त संदीप बुगालिया ने जब बछड़े को गड्ढे में फंसा देखा तो तुरंत अन्य लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोभक्त मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाला। बछड़े को बाहर निकालने के बाद प्राथमिक उपचार दिया गया तथा उसे बुगाला गौशाला ले जाया गया, जहां पशु चिकित्सक की देखरेख में उसका उपचार शुरू कराया गया। चिकित्सक के अनुसार बछड़े के पैर में चोट आई है, फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। गोभक्तों ने बताया कि सड़क किनारे बने खुले गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसे गड्ढों को जल्द भरवाया जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। गौशाला अध्यक्ष हीरानन्द बुगालिया, विजयपाल सिंह शेखावत, महेन्द्र सिंह आदि ने गोभक्तों की सराहना करते हुए उनके इस नेक कार्य को सराहनीय बताया।

सुदृढ़ भविष्य की नींव हैं स्टार्ट अप्स, उद्यमिता को अपनाएं युवा : सुराणा

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में आयोजित आईस्टार्ट अवेयरनेस कार्यशाला का पर्यवेक्षण किया तथा युवाओं से संवाद करते हुए नवाचार, कोडिंग, आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। जिला कलक्टर ने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का दौर है, जहां कोडिंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने युवा केवल नौकरी तलाशने के बजाय जॉब क्रिएटर बनने की सोच विकसित करें। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भविष्य की नींव हैं। युवा पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर नए विचारों पर कार्य करें तथा तकनीक के उपयोग से स्थानीय समस्याओं के नवाचारपूर्ण समाधान विकसित करें। जिला कलक्टर ने कहा कि आने वाला समय टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का है। इसलिए जो युवा आज कोडिंग, एआई, मशीन लर्निंग और आईटी स्किल्स सीखेंगे, वही भविष्य की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में उद्यमिता व स्टार्ट अप्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हम सभी इस दिशा में आगे बढ़ें। हमारे सम्मिलित प्रयासों से जिले में नवाचार आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि जिले में कोड चूरू कार्यक्रम से अब स्कूलों में भी बच्चे कोडिंग, आईटी और तकनीकी क्षेत्र का ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। स्कूली विद्यार्थी कोड चूरू से जुड़ें और स्किल्स डेवलप करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं को वित्तीय सहायता, मेंटरशिप, प्रशिक्षण एवं नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सुराणा ने कहा कि नवाचारी विचार और आईटी और सही मार्गदर्शन से टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप्स कम संसाधनों में भी शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं को हैकाथॉनए इनोवेशन, कोडिंग और डिजीटल स्किल डवलपमेंट कोर्सेज से जुड़ने की सलाह दी। संयुक्त निदेशक नरेश कुमार ने आईटी क्षेत्र से संबंधित जानकारी दी। इस दौरान एसीपी विनोद कुमारी ने आई स्टार्ट इनक्यूबेशन सेंटर पर उपलब्ध सुविधाओं तथा गौरव ने कोड चूरू कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जेजूसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की पहल

निसं

बुगाला (नवयत्न)। ग्राम पंचायत जेजूसर में जीरो प्लास्टिक वेस्ट कैंपेन का आयोजन बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। नवलगढ़ ब्लॉक के एबीडीओ सुरेश कुमार के मार्गदर्शन में तथा पीरामल फाउंडेशन के गांधी फेलो पंकज मौर्य के सहयोग से यह अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामसेवक हितेश एवं सरपंच कपिल की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत

जागरूकता सत्र से हुई, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभाव,, इसके विकल्प तथा प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार सोमरा एवं उपप्रधानाचार्य महेशकुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। इसके पश्चात स्कूली बच्चों ने गांव में जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान बच्चों ने प्लास्टिक को छोड़ो, प्रकृति से नाता जोड़ो और कपड़े का थैला अपनाओ, पर्यावरण बचाओ जैसे प्रभावशाली नारे लगाए तथा ग्रामीणों को सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का संदेश दिया। अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता देखने को मिली। यह कार्यक्रम जेजूसर को प्लास्टिक मुक्त एवं पर्यावरण-अनुकूल गांव बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल सिद्ध हुआ।

नोखा प्रीमियर लीग में पहले दिन 7 लीग मैच हुए

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा प्रीमियर लीग में पहले दिन कुल 7 लीग मैच खेले गए। आयोजक समिति के रोहित कोठारी ने बताया कि पहला मुकाबला बाँके बिहारी रॉयल्स व जैन स्कूल स्ट्राइकर्स के बीच खेला गया जिसमे बांके बिहारी रॉयल्स विजय रही और मैन ऑफ द मैच निखिल चांडक रहे। दूसरा मैच पंचवटी पैंथर्स व श्याम फ्रेंड्स इलेवन की बीच हुवा जिसमें पंचवटी पैंथर्स विजय रही और मैन ऑफ द मैच नवरत्न बैद रहे। तीसरा मैच राइजिंग स्टार व एंटी सोशियल की बीच हुआ जिसमें राइजिंग स्टार विजय रही व मैन ऑफ द मैच अरिहंत भूरा रहे।

चौथा मैच नमो चैलेंजर्स व संकट मोचन वॉरियर्स के बीच हुआ जिसमें संकट मोचन वॉरियर्स विजय रही व मैन ऑफ द मैच सौरभ गौड़ रहे। पांचवा मैच नोखा रॉयल्स व केयुएम के बीच खेला गया जिसमें नोखा रॉयल्स विजय रही व मैन ऑफ द मैच गोपाल चांडक रहे। छठा मैच केएमबी सुपर किंग्स व एमयुसी बीकानेर के बीच खेला गया जिसमें केएमबी सुपर किंग विजय रही व धीरज सुथार मैन ऑफ द मैच रहे। सातवां मैच बालाजी सुपर किंग व माहेश्वरी वॉरियर्स बीकानेर के बीच खेला गया जिसमें बालाजी सुपर किंग विजय रही व विवेक बजाज मैन ऑफ द मैच रहे। पहले दिन सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले धीरज सुथार को ऑरेंज कैप व सबसे विकेट लेने वाले महेश तापड़िया को पर्पल कैप दी गई। दर्शकों को मैच के दौरान लक्की ड्रा के द्वारा विभिन्न फर्मों के द्वारा कुल 11 फ्री खरीदारी के कूपन दिए गए व 3 गिफ्ट हैंपर जिसमें ओवन, आयरन व डिनर सेट दिए गए। प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच जीतने वाले खिलाड़ियों को आकर्षक फूड गिफ्ट हैंपर व परफ्यूम सेट व ट्रॉफी दी गई।

आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना का शिविर आयोजित

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर के वार्ड 21 में स्थित वर्षा कंदोई गैस्ट हाउस में राजस्थान के अनुसूचित जातिध्जनजाति वर्ग के उद्यमी युवकों/युवतियों को आसान शर्तों एवं कम लागत पर ऋण प्रदान करने के लिये डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से कार्यालय जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र चूरू द्वारा कैंप के आयोजन किया गया जिसमें योजना की विस्तृत जानकारी के साथ साथ अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई तथा और इच्छुक व्यक्ति शिविर में उपस्थित होवें। कैंप प्रभारी आदूसिँह गुजर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी उद्योग विभाग चुरू ने उक्त योजना की

विस्तृत जानकारी दी। पार्षद त्रिलोक रैगर ने कहा कि प्रदेश की भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार दलित आदिवासी और अनुसूचित जाति एवं जनजाति के आर्थिक विकास के लिए प्रतिबंध है और समय समय पर सामाजिक एवं अधिक विकाश और स्वरोजगार के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं संचालित है। इस दौरान अमरचंद सबलानिया, नंदलाल सबलानिया, राकेश सबलानिया, किशन सबलानिया, मनीराम, चुन्नीलाल, मुकेश, दलीप मोहरिया, पवन सबलानिया, कानाराम, कालूराम, महेंद्र, भागचंद, धनराज, किशन मेघवाल, विकाश सबलानिया, रोहिताश, राजेंद्र जगरवाल, मनीष जगरवाल, होशियारलाल, वरमराम, किशनलाल मेघवाल सहित काफी लोग मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190